Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 13
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 20 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

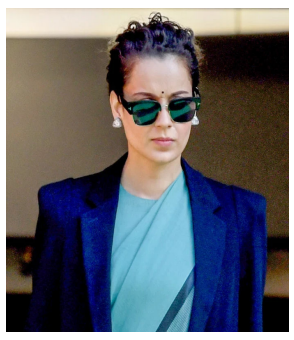

3 मुंबई का महापौर महायुति का ही होगा, संजय ... 4 बड़े पर्दे पर अश्लीलता और भद्देपन की हदें ... 7 इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 : पीवी सिंधु की ...

बीजेपी को मिला नया बॉस!

नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष, आज होगी ताजपोशी, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद एकमात्र प्रस्तावित नाम होने के कारण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भाजपा संगठन पर्व के राष्ट्रीय प्रतिवेदक डॉ. के. लक्ष्मण के अनुसार, नामांकन वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नाम - नितिन नबीन का - प्रस्तावित किया गया था। पार्टी ने पुष्टि की कि उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट जमा किए गए थे, और इस पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार का नाम प्रस्तावित नहीं किया गया था।

लक्ष्मण ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में, मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नाम, नितिन नबीन का नाम प्रस्तावित किया गया है। 45 वर्षीय नबीन को 14 दिसंबर, 2025 को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित शीर्ष नेताओं ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

20 जनवरी, 2026 को सुबह 11:30 बजे होने वाला यह सत्ता हस्तांतरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा। दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र नवीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और राज्य सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं। आरएसएस से जुड़े होने के कारण पार्टी के भीतर उन्हें एक संगठनात्मक रूप से मजबूत और वैचारिक साख रखने वाले नेता के रूप में देखा जाता है, जो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। अपने मजबूत जमीनी समर्थन के लिए जाने जाने वाले नबीन ने लगातार विधानसभा चुनावों (2010, 2015, 2020 और 2025) में यह सीट जीती है, साथ ही 2006 में उपचुनाव में भी जीत हासिल की थी। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। नबीन ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास मंत्रालय संभाला था, लेकिन बाद में भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

केंद्र से पांच केंद्र शासित प्रदेशों को अधिकार, अब औषधि-जादुई उपचार कानून के तहत होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पांच केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों और प्रशासकों को औषधि एवं जादुई उपचार अधिनियम के तहत भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकार दे दिए हैं। इसके तहत अब वे ऐसे अधिकारियों को अधिकृत कर सकेंगे, जो कैंसर, डायबिटीज जैसी बीमारियों के इलाज को लेकर जादुई गुणों और चमत्कारी दावों वाले विज्ञापनों से जुड़े मामलों में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर सकें।

हाल ही में गृह मंत्रालय की ओर से राजपत्र में अधिसूचित आदेश में यह अधिकार जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव तथा पुडुचेरी के उपराज्यपालों और प्रशासकों को दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि इन केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए और अगले आदेश तक औषधि एवं जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत राज्य सरकार को प्राप्त शक्तियों और दायित्वों का अपने-अपने क्षेत्रों में इस्तेमाल करेंगे।

क्या है औषधि एवं जादुई उपचार अधिनियम?

ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 और इसके नियमों के तहत भ्रामक विज्ञापनों और दवाओं व औषधीय पदार्थों के बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों पर रोक का प्रावधान है। इसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित आयुष दवाओं से जुड़े दावे भी शामिल हैं।

यह कानून राज्य सरकारों की ओर से अधिकृत राजपत्रित अधिकारियों को अधिकार देता है कि वे किसी भी परिसर में प्रवेश कर सकें, तलाशी ले सकें, रिकॉर्ड की जांच या जब्ती कर सकें और भ्रामक या अनुचित विज्ञापनों के मामलों में कार्रवाई शुरू कर सकें।

अब इन पांच केंद्र शासित प्रदेशों में यह अधिकार उपराज्यपालों या प्रशासकों के माध्यम से लागू होगा।

इस अधिनियम के तहत कौन सी बीमारियां अनुसूची में शामिल?

अधिनियम के तहत 54 बीमारियों और विकारों, जिनमें डायबिटीज, मोटापा और कैंसर शामिल हैं, के इलाज के लिए दवाओं के विज्ञापन पर प्रतिबंध है। ये बीमारियां अधिनियम की निषिद्ध अनुसूची में शामिल हैं। कानून कंपनियों को इन बीमारियों के इलाज के लिए किसी दवा को चमत्कारी इलाज के रूप में प्रचारित करने या बाजार में उतारने से रोकता है।

महाराणा प्रताप से हुई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तुलना जदयू नेता ने बताया 'बिहार का सेवक'

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर एएनआई से बात करते हुए, जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद और कार्यक्रम के आयोजक संजय झा ने मुख्यमंत्री की तुलना महाराणा प्रताप से करते हुए उन्हें 'बिहार का सेवक' बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों के लिए और उनके साथ काम किया, उसी प्रकार हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी सभी का समान रूप से ख्याल रखते हैं। वे महाराणा प्रताप की तरह ही नायक हैं। जहां महाराणा प्रताप ने देश के लिए अपना बलिदान दिया, वहीं हमारे मुख्यमंत्री बिहार की जनता के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। वे बिहार के सेवक हैं।

इस बीच, मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि पार्टी के उपाध्यक्ष महाराणा प्रताप की स्मृति में प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला। मंत्री ने सामाजिक सद्भाव के लिए काम करने वाले व्यक्तित्वों को याद करने के लिए ऐसे अवसरों को मनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी उपाध्यक्ष संजय सिंह महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष एक कार्यक्रम आयोजित करते हैं... वे समाज में महाराणा प्रताप के सामाजिक सद्भाव के संदेश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। इस वर्ष भी पुण्यतिथि मनाई गई और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसमें शामिल हुए। सामाजिक सद्भाव के लिए काम करने वाले ऐसे महान व्यक्तित्वों की पुण्यतिथि मनाना समाज में सद्भाव को बढ़ावा देता है।

'राष्ट्र के भरोसे का स्तंभ बना राष्ट्रीय आपदा मोचन बल', अमित शाह ने आपदा राहत बल के साहस को किया नमन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की सराहना करते हुए कहा कि यह बल 'आपदाओं के दौरान राष्ट्र के भरोसे का स्तंभ' बन गया है। उन्होंने बल के स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया मंच पर जारी अपने संदेश में कहा कि आपदाओं से निपटने में सक्षम भारत के निर्माण के लिए केंद्र सरकार के संकल्प को साकार करने में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल आज आपदाओं के समय राष्ट्र के विश्वास का आधार बन चुका है। उन्होंने उन वीर जवानों को नमन किया, जिन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। गृह मंत्री ने कहा कि ऐसे शहीदों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता।

शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

गृह मंत्री ने इस अवसर पर उन जवानों को भी स्मरण किया, जिन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों के दौरान अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी वीर शहीदों को नमन करता हूँ, जिन्होंने दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

संकट के समय देश का सुरक्षा कवच

2006 में स्थापित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने पिछले दो दशकों में प्राकृतिक एवं मानव-निर्मित आपदाओं के दौरान अपनी दक्षता सिद्ध की है। भूकंप, चक्रवात अथवा बाढ़ जैसी आपदाओं में यह बल सदैव अग्रिम पंक्ति में रहकर राहत एवं बचाव कार्य करता रहा है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की प्रमुख विशेषताएं

यह बल रासायनिक, जैविक, विकिरण एवं परमाणु आपात स्थितियों से निपटने में भी सक्षम है। अत्याधुनिक उपकरणों तथा मलबे में फंसे लोगों को खोजने वाली आधुनिक तकनीक से लैस यह बल देश और विदेश में अपनी कार्यकुशलता के लिए जाना जाता है। तुर्की में आए भीषण भूकंप के दौरान चलाए गए राहत अभियान में इसके मानवीय कार्यों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई थी।

आपदा प्रबंधन में आत्मनिर्भर भारत की दिशा

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में केवल प्रतिक्रिया आधारित व्यवस्था से आगे बढ़कर तैयारी आधारित दृष्टिकोण अपनाया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल इस परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है, जिससे जान-माल की हानि में कमी आई है और भारत अन्य देशों को भी सहायता प्रदान करने में सक्षम बना है।

केरल से राहुल गांधी का बीजेपी पर बड़ा हमला

कहा- ये लोग जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते

कोच्चि । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह करते हुए कहा कि निःसंकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है।

राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते। महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं।

गांधी ने कहा कि मौन संस्कृति में लालच का विचार भी गहराई से समाया हुआ है: मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है।

यही लालच की संस्कृति है। लोकसभा के विपक्ष के नेता ने कोच्चि के मरीन ड्राइव में पार्टी के निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ क्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं। यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत 'एक व्यक्ति, एक वोट' है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा और आरएसएस तथा हम, कांग्रेस पार्टी, के बीच के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सत्ता के विकेंद्रीकरण के पक्षधर हैं। वे भारत की जनता से अंधाधुंध आज्ञापालन चाहते हैं; वे भारत की जनता की आवाज़ सुनना ही नहीं चाहते।" पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा, 'केरल के कोचीन हवाई अड्डे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।' केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान, एआईसीसी महासचिव वेणुगोपाल और अन्य पार्टी नेता भी महापंचायत में मौजूद हैं।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने केसीआर और हरीश राव को दी बड़ी राहत, 25 फरवरी तक कार्रवाई पर लगाई रोक

हैदराबाद। तेलंगाना हाईकोर्ट ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर), पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और अन्य को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कालेश्वरम परियोजना से जुड़ी न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार द्वारा किसी भी तरह की कार्रवाई से उन्हें 25 फरवरी तक अंतरिम संरक्षण दे दी है। इतना ही नहीं हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहीउद्दीन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 25 फरवरी तक के लिए टाल दी है।

अदालत ने यह समय इसलिए दिया है ताकि सभी पक्ष अपने-अपने लिखित तर्क (सबमिशन) दाखिल कर सकें। तब तक पहले से दी गई राहत जारी रहेगी। इस मामले में केसीआर, हरीश राव के अलावा पूर्व मुख्य सचिव शैलेंद्र कुमार जोशी और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल ने भी हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं।

पहले भी मिली थी राहत

इससे पहले 12 नवंबर को भी हाईकोर्ट ने केसीआर और अन्य को राहत दी थी और सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया था। सरकार को चार हफ्ते और उसके बाद याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का समय मिला था।

अब समझिए क्या है पूरा मामला

बता दें कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज पीसी घोष की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग बनाया गया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी, जिसे अगस्त में विधानसभा में पेश किया गया। रिपोर्ट पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का एलान किया था।

आयोग की रिपोर्ट में क्या कहा गया

गौरतलब है कि आयोग की रिपोर्ट में परियोजना में कथित अनियमितताओं के लिए केसीआर को जिम्मेदार ठहराया गया। उस समय के सिंचाई मंत्री रहे हरीश राव पर भी सवाल उठाए गए। कुछ अधिकारियों की भूमिका पर भी आपत्ति जताई गई

चुनाव फायदे के लिए हिंदुओं और मुसलमानों को बांटा जा रहा है: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को देश में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ने का दावा किया और आरोप लगाया कि चुनावी फायदे के लिए नफरत की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने 1947 में पाकिस्तान के बजाय भारत को चुना था और वह लगातार पड़ोसी देश के खिलाफ खड़ी रही है, जो अब भी क्षेत्र में अशांति फैलाने की कोशिश करता रहता है।

बॉलीवुड से काम कम मिलने और इसे 'सांप्रदायिक मुद्दे' से जोड़ने संबंधी संगीतकार ए. आर. रहमान की हालिया टिप्पणी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में नफरत की आग भड़काई गई है और चुनावी उद्देश्यों से हिंदुओं और मुसलमानों को जानबूझकर बांटा जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'ऐसी स्थिति में हम क्या करें? यह देश सबका है। भारत हमेशा 'विविधता में एकता' का उदाहरण रहा है, जहां सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कुछ लोग धर्म के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है, और ऐसी प्रवृत्तियां कोई नयी बात नहीं हैं।

गुजरात में गरजे अरविंद केजरीवाल, बोले- बीजेपी का डर खत्म, अब जनता उठा रही आवाज

वडोदरा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पार्टी बूथ कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के भय को दूर करते हुए खुलकर बोलने के लिए नागरिकों की सराहना की। भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में थी। उन्होंने कहा कि कभी सबसे समृद्ध राज्य रहा गुजरात, भाजपा द्वारा तीन वर्षों में पूरी तरह से कंगाल कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। लोगों के मन से धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं।

एक समय था जब गुजरात देश का सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। उस समय गुजरात के लोग समृद्ध थे। आज, तीन वर्षों के भीतर, भाजपा ने सब कुछ लूट लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हद्दाद गांव में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के बावजूद कई किसानों को

गिरफ्तार किया गया। बोटाद के हद्दाद गांव में तीन महीने से चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन में गुजरात सरकार ने 85 किसानों को गिरफ्तार किया है। ये गरीब किसान थे। वे किसानों की 'कढ़ा प्रथा' के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वे न्याय और किसानों के अधिकारों की मांग कर रहे थे। वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने हमारे राजू करपाड़ा और प्रवीण राम को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हमारे नेताओं और गरीब किसानों को जेल में डाल दिया है।

मैंने गिरफ्तार किए गए 85 किसानों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि आम सहमति उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनके लिए जेल जाने को भी तैयार है। इससे पहले रविवार को उन्होंने गुजरात में 'गुंडागर्दी को खत्म करने का संकल्प' लेने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां अधिक सक्रिय हो जाएंगी और दमन बढ़ाएंगी।

डीएमके का भाजपा पर बड़ा आरोप

अभिनेता विजय को धमकाया जा रहा, पाला बदलने का बना रहे दबाव

चेन्नई **(एजेंसी)**। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के नेता टीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को आरोप लगाया कि तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेशी के बाद राजनीतिक दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। एलंगोवन ने एएनआई को बताया कि वे (भाजपा) विजय को धमका रहे हैं, और यह बात जनता को सर्वविदित है। उन्होंने 'जना नायकन' को सेंसर सर्टिफिकेट नहीं दिया है और जानबूझकर इसमें देरी कर रहे हैं। उनका इरादा विजय पर दबाव डालकर उन्हें अपने पक्ष में करना है। भाजपा एक वॉशिंग मशीन की तरह है। वे किसी पर कुछ आरोप लगाते हैं, और फिर अगर वह व्यक्ति उनके साथ जुड़ जाता है, तो वे सारे आरोप वापस ले लेते हैं। वे अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता विजय अभिनीत तमिल फिल्म 'जना नायकन' के निर्माताओं द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसने फिल्म के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को रोक दिया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले की सुनवाई की और मद्रास उच्च न्यायालय को 20 जनवरी तक इस मामले पर फैसला सुनाने का निर्देश दिया।

नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने सभी विभागों के कार्यप्रणाली की समीक्षा की

दिव्यांश

नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने हाल ही में संपन्न नवी मुंबई महानगरपालिका के सार्वत्रिक चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें महानगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसी पृष्ठभूमि में आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने महानगरपालिका की चल रही योजनाओं एवं सुविधा संबंधी कार्यों की विभागवार समीक्षा की।

महानगरपालिका मुख्यालय स्थित विशेष समिति सभागृह में आयोजित इस समीक्षा बैठक में अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार एवं डॉ. राहुल गेठे, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी श्री सत्यवान उबाले, प्रशासन विभाग के उप आयुक्त श्री किसानराव पालांडे सहित विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख, विभागीय अधिकारी एवं कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे।

नवी मुंबई महानगरपालिका के वर्ष 2025-26 के बजट के दौरान आगामी आर्थिक वर्ष में क्रियान्वित की जाने वाली नियोजित सुविधा संबंधी प्रस्तावों की जानकारी दी गई थी। आयुक्त ने संबंधित विभाग प्रमुखों से यह जानकारी ली कि उन प्रस्तावों में से कितने कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा जो कार्य प्रगति पर हैं, उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।

नवी मुंबई महानगरपालिका की संपत्तियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि वर्तमान में पूर्ण हो चुकी इमारतों का उपयोग सुविधा संबंधी कार्यों के लिए किया जाए। इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया

कि वे आवश्यक स्थानों के लिए संपत्ति विभाग से समन्वय करें, उपलब्ध संपत्तियों का निरीक्षण करें तथा अपनी सुविधाओं के लिए उपयुक्त संपत्तियों का तत्काल कब्जा लेकर उन्हें उपयोग में लाएं। साथ ही, निर्मित होकर तैयार बाजार भवनों के स्थानों का आवंटन कर उन्हें शीघ्र उपयोग में लाने की कार्यवाही तत्काल करने के निर्देश भी दिए गए।

आयुक्त ने सीमांत क्षेत्रों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण तथा अनधिकृत व्यवसायों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने, पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक प्रतिबंध संबंधी उपायों को और सख्ती से लागू करने तथा विभागों द्वारा नियमित रूप से प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान जारी रखने के निर्देश दिए।

कचरा पृथक्करण की दर को स्रोत स्तर अर्थात घर से ही बढ़ाने के लिए नागरिकों में व्यापक स्तर पर जनजागृति निर्माण करने, इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर उसे प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश भी आयुक्त द्वारा दिए गए। साथ ही नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण में लगने वाले समय को कम करने तथा शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के लिए अधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

मैदानों एवं खुले स्थानों को किराए पर दिए जाने के पश्चात संबंधित उपयोगकर्ता द्वारा कार्यक्रम के बाद उनकी सफाई किया जाना आवश्यक है, किंतु सजग नागरिकों से इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि उपयोगकर्ता इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस संदर्भ में विभागीय कार्यालयों को सतर्क रहने, अनुमति देते समय उपयोगकर्ताओं को इस विषय में स्पष्ट सूचना देने तथा यदि सफाई नहीं की जाती है तो उसकी लागत जमा राशि से वसूल करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छ एवं सुंदर शहर हमारी नवी मुंबई की पहचान है और स्वच्छता प्रिय नागरिकों का इसमें बड़ा योगदान रहा है। अतः कार्यक्रम आयोजकों को कार्यक्रम पश्चात स्थल की सफाई के लिए उत्तरदायी ठहराते हुए इस संबंध में दंडात्मक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने नालों एवं जलसंचय तालाबों जैसे प्राकृतिक घटकों की स्वच्छता को अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताते हुए इसे दीर्घकालीन दृष्टिकोण से देखने तथा नियोजित ढंग से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

विश्वभर में बढ़ते वायु प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए भविष्य में श्मशानगृहों को भी स्वच्छ ईंधन अथवा विद्युत ऊर्जा पर संचालित करना समय की आवश्यकता है। इस दृष्टि से नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के 29 श्मशानगृहों में चरणबद्ध रूप से गैस अथवा विद्युत आधारित दाह प्रणाली लागू करने तथा इसके प्रति नागरिकों में निरंतर जनजागृति निर्माण करने के निर्देश आयुक्त द्वारा दिए गए।

सड़क सुधार कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए आयुक्त ने सड़क विकास के माध्यम से संपर्क सुविधा में वृद्धि, सड़कों का अद्यतन एवं चौड़ीकरण तथा नियमित रखरखाव और मरम्मत–इन तीन बिंदुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही महानगरपालिका द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्यों को शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने तथा महानगरपालिका के प्रवेश मार्गों से संबंधित कार्य भी समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम रेलवे पर प्रमुख रेलगाड़ी टक्कर निरोधक सुरक्षा कार्य प्रस्तावित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा उन्नत तकनीकों को अपनाने की दिशा में, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में, भारतीय रेल की अम्ब्रेला कार्य योजना 2024-25 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे पर रेलगाड़ी टक्कर निरोधक प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु दो महत्वपूर्ण मदवार कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

विचाराधीन इस प्रस्ताव की कुल अनुमानित लागत ?483.65 करोड़ है, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं–

उधना-जलगांव खंड, जिसकी कुल लंबाई 307 मार्ग किलोमीटर है, पर रेलगाड़ी टक्कर निरोधक प्रणाली की व्यवस्था।

इस महत्वपूर्ण खंड पर उक्त सुरक्षा प्रणाली की स्थापना हेतु ?109.83 करोड़ की लागत प्रस्तावित की गई है, जिससे परिचालन संरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पश्चिम रेलवे के 436 इंजनों में संशोधन, उन्नयन एवं प्रणाली अनुकूलन कार्य।

रेलगाड़ी टक्कर निरोधक प्रणाली के सुचारु एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे के 436 मौजूदा इंजनों में आवश्यक संशोधन, उन्नयन एवं प्रोग्रामिंग हेतु ?373.82 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ये दोनों कार्य भारतीय रेल की व्यापक अम्ब्रेला परियोजना 'भारतीय रेल के शेष मार्गों पर दीर्घकालिक संचार आधारभूत संरचना के साथ रेलगाड़ी टक्कर निरोधक प्रणाली की व्यवस्था (अम्ब्रेला कार्य 2024-25)' का हिस्सा हैं, जिसे कार्य, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत ?27,693 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अम्ब्रेला परियोजना के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के लिए ?2,800 करोड़ की उप-अम्ब्रेला राशि स्वीकृत की गई है। प्रस्तावित पहलें भारतीय रेल की रेल संरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के तीव्र कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन एवं दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मुंबई में बीएमसी मेयर की जंग तेज, संजय राउत बोले- 'होटल बना जेल, शिंदे के पार्षद कैद'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सोमवार को आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपने विजयी उम्मीदवारों को मुंबई के एक होटल में कैदियों की तरह कैद कर रखा है। उन्होंने सवाल उठाया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा किस बात से डर रहे हैं? शिवसेना यूबीटी सांसद की ये टिप्पणियां उनके पहले के दावों के बाद आई हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि पार्षदों में कई नए चेहरे गैर-भाजपा नेता का समर्थन कर रहे हैं।

राउत ने सवाल किया कि नरेंद्र मोदी भाजपा के मेयर को चाहते हैं, लेकिन उन्होंने इसका कारण नहीं बताया। भाजपा को पूर्ण जनादेश नहीं मिला है। शिंदे सेना के विजयी उम्मीदवारों को ताज लैंड्स एंड होटल में लगभग कैदियों की तरह रखा गया है। होटल जेल में बदल गया है। महाराष्ट्र में केंद्र सरकार और एक मजबूत मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस होने के बावजूद, ये पार्षद बंद हैं। वे इतने डरे हुए क्यों हैं?मुंबई में बीएमसी महापौर पद के लिए संभावित खींचतान के बीच होटल राजनीति की वापसी के चलते, शिवसेना (यूबीटी) ने एकनाथ शिंदे पर होटलों को 'जेल' में बदलने का आरोप लगाया है।

हालांकि, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने रविवार को मुंबई के एक होटल में पार्टी के नवनिर्वाचित पार्षदों से मुलाकात की और कहा कि बीएमसी महापौर महायुति समुदाय से ही होंगे। बीएमसी में भाजपा के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद महाराष्ट्र में विपक्ष ने शिंदे पर निशाना साधा है। हालांकि एमएनएस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही शिवसेना (यूबीटी) ने शिंदे गुट से अधिक जनादेश प्राप्त करते हुए 65 सीटें जीतीं, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुंबई की जनता ने उन्हें 'आईना दिखा दिया है' और इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि कौन सा गुट 'असली शिवसेना' का प्रतिनिधित्व करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली एवं बोरीवली के बीच छठी लाइन का कमीशन किया गया

महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सफलतापूर्वक पूर्ण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड में कांदिवली एवं बोरीवली के बीच 3.210 किलोमीटर लंबी छठी लाइन का सफलतापूर्वक कमीशन कर एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि 18 जनवरी, 2026 को रेल संरक्षा आयुक्त (पश्चिम परिमंडल) द्वारा सफल निरीक्षण के उपरांत प्राप्त हुई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रेल संरक्षा आयुक्त (पश्चिम परिमंडल) ई. श्रीनिवास ने कांदिवली एवं बोरीवली के बीच नव निर्मित छठी लाइन खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। इसके पश्चात गति परीक्षण किए गए, जिसके बाद इस खंड को नियमित रेल परिचालन के लिए अधिकृत किया गया।

कांदिवली-बोरीवली खंड बांद्रा टर्मिनस

एवं बोरीवली के बीच परियोजना के फेज-I का अंतिम हिस्सा है। इससे पूर्व खार रोड-गोरेगांव खंड का कमीशन नवंबर 2023 में तथा गोरेगांव-कांदिवली खंड का कमीशन अक्टूबर 2024 में किया जा चुका है। अंतिम खंड का कार्य 18 दिसंबर 2025 से 17 जनवरी 2026 के बीच मात्र 30 दिनों की सुव्यवस्थित समय-सीमा में पूर्ण किया गया, जो पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर प्लानिंग, चौबीसों घंटे कार्य निष्पादन एवं उत्कृष्ट समन्वय को दर्शाता है।

इस कमीशनिंग कार्य में बड़े पैमाने पर ट्रैक पुनर्संरेखण, पुलों का सुदृढ़ीकरण, आधुनिक सिगनलिंग का एकीकरण, विद्युतीकरण कार्य, भूमि अधिग्रहण आदि शामिल थे। उपनगरीय यात्रियों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने और साथ ही उच्चस्तर की सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से अधिकांश कार्य रात्रि ब्लॉक अवधि के दौरान किए गए।

विनीत ने आगे बताया कि यह क्षमता वृद्धि उपनगरीय और लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन को अधिक प्रभावी रूप से अलग करने में सक्षम बनाती है, जिससे परिचालन सुचारू रूप से होगी, कंजेशन कम होगी तथा समयपालनता में सुधार होगा। इस अतिरिक्त लाइन से मेंटेनेंस ब्लॉक और पिक ट्रैफिक अवधि के दौरान परिचालन क्षमता भी सुदृढ़ होगी, जिससे मुंबई उपनगरीय नेटवर्क में सेवा की विश्वसनीयता और यात्रियों की सुविधा में वृद्धि होगी।

इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा संपर्क को अत्यंत सीमित समय-सीमा में पूरा किया जाना पश्चिम रेलवे की इंजीनियरिंग क्षमता, परियोजना प्रबंधन में अनुशासन तथा यात्री-केंद्रित विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। यह परियोजना ट्रेनों के सुचारु परिचालन में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देगी और प्रतिदिन यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करेगी।

पश्चिम रेलवे निरंतर बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक सुरक्षा प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा विश्वसनीय, कुशल और यात्री-केंद्रित रेल सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है, जिससे मुंबई की जीवनरेखा के रूप में उसकी भूमिका और अधिक सुदृढ़ होती है।

वडोदरा स्टेशन पर रेल लाइन के ट्रैक स्ट्रक्चर को बनाया गया बेहतर, प्लेटफार्म का भी किया गया विस्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वडोदरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 की रेल लाइन के ट्रैक स्ट्रक्चर में सुधार के साथ साथ राइडिंग क्वालिटी को बेहतर बनाने के क्रम में इंफ्रा के कई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए है। इसके साथ साथ वडोदरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 को 50 मीटर तक विस्तारित भी कर दिया गया है, जिससे ट्रेनों के ऑपरेशन में सुविधा के साथ साथ प्लेटफार्म पर यात्रियों का मूवमेंट और बेहतर हो सकेगा।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वडोदरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 की रेल लाइन के इंफ्रा के कई महत्वपूर्ण कार्यों को इंजीनियरिंग विभाग के रेलकर्मियों ने अथक प्रयास से महज 25 दिन ब्लॉक लेकर पूर्ण कर लिया। पहले प्लेटफार्म नंबर 3 की रेल लाइन पर लगातार पानी रुक रहा था, जिससे गंदगी फैल रही थी और बार-बार ट्रैक सर्किट फेल हो रहे थे। जिसकी वजह से ट्रेनों की पंक्चुअलिटी पर असर पड़ रहा था। लंबे समय तक ट्रैक पर पानी जमा रहने से रेल ट्रैक के स्लीपर और ट्रैक की बनावट खराब हो रही थी, जिससे ट्रेन परिचालन में संरक्षा प्रभावित हो रही थी।

इन कमियों को ठीक करने के लिए

वडोदरा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मेंटेनेंस और ऑपरेशनल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 400 मीटर लंबी नई वॉटर हाइड्रेंट पाइपलाइन बिछाई गई। सतह और ज़मीन के नीचे के पानी को प्रभावी ढंग से निकालने के लिए लाइन नंबर 3 और लाइन नंबर 4 के बीच 300 मीटर का एक नया सेंट्रल ड्रेन बनाया गया। इसके अलावा, मौजूदा 380 मीटर सेंट्रल ड्रेन की मरम्मत कर उसे ठीक किया गया है, और उस पर कवर स्क्रीन भी लगाई गई।

इसके अतिरिक्त, सही गिट्टी कुशन को बहाल करने, ड्रेनेज को बेहतर बनाने और खराब गिट्टी को हटाने के लिए लाइन नंबर 3 पर 790 मीटर की डीप स्क्रीनिंग की गई। क्षतिग्रस्त और खराब स्लीपरों को बदलने और ट्रैक की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 790 मीटर का टोटल स्लीपर रिन्यूअल (ऊर्ध्वें) किया गया।

सेक्शन को 30 किमी प्रति घंटे की अनुमत गति के लिए उपयुक्त बनाने के लिए ट्रैक ज्योमेट्री को ठीक किया गया है, जिसमें अलाइनमेंट, कैंट और गेज शामिल हैं और कर्व पैरामीटर को फिर से अलाइन किया गया है। इन इंफ्रा कार्यों से प्लेटफार्म नंबर 3 की रेल लाइन के ट्रैक स्ट्रक्चर में सुधार के साथ साथ राइडिंग क्वालिटी भी बेहतर होगी।

कांदिवली कार शेड में प्रवेश एवं निकास के निलंबन के कारण कुछ ट्रेनें निरस्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांदिवली कार शेड में प्रवेश एवं निकास के निलंबन तथा कांदिवली-मालाड के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइन पर लगाए गए गति प्रतिबंधों के कारण 20 जनवरी, 2026 को कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित उपनगरीय ट्रेनों की सूची अनुलग्नक-I में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित उपनगरीय स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तनों पर ध्यान में रखें और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पश्चिम रेलवे
एनजी कोचों का ट्रांसपोर्टेशन

सीनियर DME(Co.) BCT, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 ई-टेंडर नोटिस नंबर: M 137-BIM-NGTRPT-2025, दिनांक-17-01-2026 आमंत्रित करता है। **काम का नाम:** बिलिमोरा डिपो से प्रताप नगर वर्कशॉप और इसके विपरीत तथा बिलिमोरा से परेल वर्कशॉप (CR) और इसके विपरीत NG लोको को सड़क परिवहन द्वारा 02 साल की अवधि के लिए ट्रांसपोर्टेशन। **काम की अनुमानित लागत:** 65,91,232.62 (सभी शामिल)। **बिड सिक्योरिटी:** 1,31,800/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 16.02.2026 15:00 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल ऑफर पर विचार नहीं किया जाएगा। 1026

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल
मोड़ों का लुब्रिकेशन

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 168 वर्ष 2925-26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (का/ले) वडोदरा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या और काम का नाम:** DRM BRC 168 वर्ष 2025-26 वडोदरा मंडल में पाँच साल की अवधि के लिए ठेकेदार के अपने गेज फेस लुब्रिकेटर सहित मोड़ों का लुब्रिकेशन, जिसमें इसका पूरा रखरखाव शामिल है। **काम की अनुमानित लागत (रुपये में):** ₹28,22,39,867.68 **जमा की जाने वाली बिड सिक्योरिटी (रुपये में):** ₹15,61,200.00 **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तारीख और समय:** निविदा 09.02.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट का विवरण और उस जगह का नोटिस जहाँ पूरी जानकारी देखी जा सकती है और उस ऑफिस का पता जहाँ से टेंडर फॉर्म खरीदा जा सकता है:** डिविज़नल रेलवे मैनेजर (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रताप नगर, वडोदरा - 390004 **वेबसाइट www.ireps.gov.in** BRC 325

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे–रतलाम मण्डल
निविदा सूचना
M247GTWPOH252631
दिनांक: 17.01.2026

कार्य का नाम: 8 व्हीलर DETC के उपकरणो एवं सब–असेंबली की आवधिक ओवरहालिंग। **स्थान:** मु. का. प्र./दाहोद प. रेलवे कार्यालय, **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs. 4,69,65,180/–, **बयाना राशि:** Rs. 3,84,900/–, **ई–निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय:** ई–निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय 06.02.2026 को 14:30 बजे तक तथा ई–निविदा उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी। **निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता: www.ireps.gov.in/** E-Tenders/ Works/IR Electrical.
17/1/421

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल - मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।

काम - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-49	04-02-26 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की बंद होने की तारीख और समय
1	**MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए 5 साल की अवधि के लिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं देना।	1826	04-02-26 14:30:00
2	**MSS-BCT-GTR-MedStn-94-25-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	ग्रांट रोड रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए 5 साल की अवधि के लिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	04-02-26 14:40:00
3	**MSS-BCT-BDTS-MedStn-93-25-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं देना।	1826	04-02-26 14:50:00
4	**MSS-BCT-RMAR-MedStn-92-25-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	राम मंदिर रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएँ देना।	1826	04-02-26 15:00:00

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-72	04-02-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की बंद होने की तारीख और समय
1	**ADVT-Int-S1-EMU39RM-462-25-1** (Advertising-Train Interior)	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत 39 गैर-वातानुकूलित विद्युत बहु इकाई रेलगाड़ी रेकों में मार्ग मानचित्र के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। इनमें 38 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 12 डिब्बे हैं (कुल 456 डिब्बे), तथा 1 विद्युत बहु इकाई रेक, जिसमें 15 डिब्बे हैं (कुल 15 डिब्बे), सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 471 डिब्बों में 233.7 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विज्ञापन प्रदर्शित किए जाएंगे। यह व्यवस्था तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रस्तावित है।	1096	04.02.26 15:30:00
2	**ADVT-Int-S1-EMU38RM-460-25-1** (Advertising-Train Interior)	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत 38 गैर-वातानुकूलित विद्युत बहु इकाई रेलगाड़ी रेकों के भीतर मार्ग मानचित्र के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। इनमें 36 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 12 डिब्बे हैं (कुल 432 डिब्बे), तथा 2 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 15 डिब्बे हैं (कुल 30 डिब्बे), सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 462 डिब्बों में 229.15 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह व्यवस्था तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रस्तावित है।	1096	04.02.26 15:40:00
3	**ADVT-EFF-176202-2-25** (Advertising-Train Exterior (Full Face))	मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे की गुजरात एक्सप्रेस (22953/54) और उसके लिंक रेक (19033/34 और 19035/36) के कोचों की बाहरी (पूरी सतह) पर 05 साल की अवधि के लिए विज्ञापन दिखाना।	1826	04.02.26 15:50:00
4	**ADVT-EBW-S1-16EMUExt-25-1** (Advertising-Train Exterior (Below Window))	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत 16 विद्युत बहु इकाई रेलगाड़ी रेकों के बाहरी पार्श्व भित्ति भाग पर, खिड़की के नीचे, विनाइल आवरण के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। इनमें 12 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 12 डिब्बे हैं (कुल 144 डिब्बे), तथा 4 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 15 डिब्बे हैं (कुल 60 डिब्बे), सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 204 डिब्बों में 4,270.75 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह व्यवस्था पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रस्तावित है।	1826	04.02.26 16:00:00
5	**ADVT-EBW-S1-17EMUExt-25-1** (Advertising-Train Exterior (Below Window))	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत 17 विद्युत बहु इकाई रेलगाड़ी रेकों के बाहरी पार्श्व भित्ति भाग पर, खिड़की के नीचे, विनाइल आवरण के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। इनमें 15 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 12 डिब्बे हैं (कुल 180 डिब्बे), तथा 2 विद्युत बहु इकाई रेक, जिनमें प्रत्येक में 15 डिब्बे हैं (कुल 30 डिब्बे), सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 210 डिब्बों में 4,392.92 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह व्यवस्था पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रस्तावित है।	1826	04.02.26 16:10:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 02267644212. ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com नोट: इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल पर जाएं। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 1023

Like us on : facebook.com/WesternRly • Follows us on : twitter.com/WesternRly

भाजपा मीडिया प्रमुख नवनाथ बन का तीखा हमला

मुंबई का महापौर महायुति का ही होगा, संजय राउत सपनों की दुनिया से बाहर आएं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भाजपा-शिवसेना की महायुति की विकासोन्मुख नीतियों और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्णायक नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए मुंबईकरों ने महायुति को ऐतिहासिक और निर्णायक जनादेश दिया है। इस स्पष्ट जनमत के बाद अब किसी भी प्रकार का भ्रम या सौदेबाज़ी संभव नहीं है। मुंबई महानगरपालिका का महापौर महायुति का ही होगा और मुंबई में भगवा ही फहराएगा–यह राजनीतिक सच्चाई है। उबाठा गुट के लिए 16 जनवरी का दिन काले अक्षरों में लिखा जाएगा, जबकि मुंबईकरों के लिए महायुति का महापौर चुना जाना स्वर्णिम दिन होगा, ऐसा करारा प्रहार भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने किया। वे सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में बोल रहे थे।

श्री बन ने साफ शब्दों में कहा कि संजय राउत चाहे जितने भी दिन-रात सपने देख लें, मुंबई का महापौर बनने का उनका सपना कभी साकार नहीं होने वाला।

श्री बन ने कहा कि महायुति का उद्देश्य कभी भी सत्ता की कुर्सी या पदों की राजनीति नहीं रहा है। लेकिन 25 वर्षों तक मुंबई महानगरपालिका पर काबिज रहे उबाठा गुट ने जिस तरह से मुंबई को लूटा, भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया और विकास को ठप रखा, उस पर जनता ने इस चुनाव में करारा तमाचा मारा है। महायुति का एकमात्र लक्ष्य है–भ्रष्टाचार पर लगाम, विकास को गति और मुंबईकरों का जीवन सुरक्षित व सुगम

बनाना। भाजपा और शिवसेना के वरिष्ठ नेता आपसी चर्चा से निर्णय लेंगे, तब तक राउत को हवा में महल खड़े करने और अनर्गल बयानबाज़ी करने से बाज़ आना चाहिए। राउत के सपने हमेशा की तरह इस बार भी चकनाचूर होंगे, यह तय है। उन्होंने यह भी कहा कि 29 में से 25 जगहों पर भाजपा का अव्वल रहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की विकास की राजनीति पर जनता की मुहर है।

मानखुर्द की जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम

श्री बन ने कहा कि मानखुर्द-शिवाजीनगर लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की हार को लेकर जनता के मन में नाराज़गी थी। उसी का जवाब मतदाताओं ने इस चुनाव में दिया और विकास के पक्ष में मतदान कर भाजपा को स्पष्ट जीत दिलाई। मानखुर्द में मिली यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि वर्षों से संघर्ष कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत है।

राजनीति में कब क्या हो जाए, कहा नहीं जा सकता। आज संजय राउत अचानक आत्मज्ञान प्राप्त कर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ कर रहे हैं। सच तो यह है कि फडणवीसजी को राउत की प्रशंसा की कोई ज़रूरत नहीं है–उनका काम और विकास योजनाएं ही उनका प्रमाणपत्र हैं। फिर भी भाजपा की राजनीतिक संस्कृति के अनुसार प्रशंसा के लिए धन्यवाद देता हूं–ऐसा खोचक तंज भी श्री बन ने लगाया।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बिल्कुल स्पष्ट किया है कि नगरसेवकों को डराकर नहीं, बल्कि आपसी समन्वय और परिचय के लिए एकत्र रखा गया है। डर शिवसेना को नहीं, बल्कि उबाठा गुट और संजय राउत को सता रहा है। होटल में नगरसेवकों को ठहराने को लेकर राउत द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम हास्यास्पद है। इससे कोई नई आघाड़ी बनेगी या कोई नया समीकरण उभरेगा–ऐसी अफवाहें फैलाकर अपनी राजनीतिक हताशा छिपाने की कोशिश राउत कर रहे हैं, जिसे जनता भली-भांति समझ चुकी है।

महाराष्ट्र में यदि बिहार भवन बनता है तो उसमें आपत्ति किस बात की है? बिहार में महाराष्ट्र भवन पहले से मौजूद है और देशभर में अलग-अलग राज्यों में ऐसे भवन अतिथियों की सुविधा के लिए बनाए जाते हैं। इस विषय को लेकर मनसे द्वारा किया जा रहा प्रांतवाद और भाषावाद राजनीतिक दिवालियापन का परिचायक है।

बीएमसी मेयर चुनाव से पहले रिजॉर्ट पॉलिटिक्स, शिंदे के दांव से बीजेपी की बढ़ी टेंशन?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई महापौर पद को लेकर राजनीतिक खींचतान तेज हो गई है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कथित तौर पर ढाई साल वेक कार्यकाल के लिए सहभागिता का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, मुंबई भाजपा अध्यक्ष ने ऐसी किसी भी चर्चा से इनकार करते हुए कहा है कि कार्यकाल साझा करने की कोई व्यवस्था अभी तक तय नहीं हुई है। भाजपा ने दोहराया है कि देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच समन्वय मजबूत बना हुआ है और महापौर महायुति गठबंधन से ही चुने जाएंगे।

खबरों के मुताबिक, पार्टी बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर महापौर पद का चुनाव कराने की इच्छुक है। भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, वहीं शिंदे गुट 29 सीटों के साथ खुद को सत्ता के लिए निर्णायक भूमिका में स्थापित कर रहा है। इस संवाद में उद्धव ठाकरे द्वारा सत्ता संघर्ष पर कटाक्ष करते हुए 'होटल राजनीति' और पार्षदों की संभावित खरीद-फरोख्त को लेकर चिंताएं उजागर की गई हैं। महापौर पद के फार्मूले पर अंतिम निर्णय भाजपा के उच्च कमान के पास है, क्योंकि महाराष्ट्र में गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चा जारी है।

मुंबई नगर निकाय चुनाव में महायुति गठबंधन को सामान्य बहुमत मिलने के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा नवनिर्वाचित सदस्यों को होटल में स्थानांतरित किए जाने के बीच शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने पर्दे के पीछे की घटनाओं की ओर इशारा किया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के बाद मुंबई में महापौर पद को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने अपने 29 पार्षदों को शहर के एक लग्जरी होटल में स्थानांतरित कर दिया है। यह कदम बीएमसी चुनावों के परिणामों की घोषणा के बाद उठाया गया। शिवसेना का कदम यह प्रदर्शित करने वाला प्रतीत होता है कि शिंदे की पार्टी द्वारा जीती गईं सीट भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं। बीएमसी चुनाव में भाजपा 89 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि अगर "देव" चाहें तो उनकी पार्टी का मेयर बन सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शिंदे की पार्टी अपनी सहयोगी भाजपा द्वारा खरीद-फरोख्त किए जाने की आशंका से डरी हुई है। ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मजाक में पूछा कि क्या 'देव' से उनके पूर्व सहयोगी का तात्पर्य "मुझसे" है या "ऊपर वाले भगवान" से। फडणवीस ने कहा, "मुझे भी 'देव' भी कहा जाता है, इसलिए मैं पूछ रहा हूं।" उन्होंने कहा, "ऊपर वाले भगवान ने तय किया है कि महायुति का महापौर होगा।"

मुंबई मेयर पद के लिए सियासत जारी, 22 जनवरी को लॉटरी से तय किया जाएगा महानगरपालिका का आरक्षण

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका में मेयर पद को लेकर चल रही राजनीतिक सरगर्मियों के बीच अब तस्वीर साफ होने की दिशा में कदम बढ़ गया है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई समेत राज्य की 29 नगर निगमों में मेयर चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत 22 जनवरी को मुंबई के मेयर पद के आरक्षण को लेकर लॉटरी निकाली जाएगी। इस फैसले के बाद सियासी हलचल और तेज हो गई है।

शहरी विकास विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक यह लॉटरी राज्य सचिवालय में होगी। महाराष्ट्र में मेयर का चुनाव पार्षदों द्वारा किया जाता है और यह पद रोटेशन के आधार पर आरक्षित होता है। लॉटरी के जरिए यह तय होगा कि मेयर पद सामान्य वर्ग, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।

आरक्षण तय होते ही शुरू होगी चुनावी प्रक्रिया

आरक्षण की श्रेणी तय होने के बाद उसी वर्ग के योग्य उम्मीदवार मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। इसके बाद नगर निगम की विशेष बैठक में चुनाव कराया जाएगा। जिस उम्मीदवार को सदन की कुल संख्या के आधे से ज्यादा पार्षदों का समर्थन मिलेगा, वही मेयर चुना जाएगा। यदि किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है, तो गठबंधन निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

बीएमसी में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

15 जनवरी को हुए बीएमसी चुनाव में भाजपा ने 227 में से 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया। लगभग 30 वर्षों बाद ठाकरे परिवार के गढ़ से सत्ता भाजपा गठबंधन के हाथ से निकल गई।

भाजपा की सहयोगी, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 29 सीटें मिलीं।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी 65 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) को कुल छह सीटें प्राप्त हुईं।

अन्य दलों की स्थिति और प्रतीकात्मक अहमियत

कांग्रेस को 24, एआईएमआईएम को आठ, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और एनसीपी (एसपी) को एक सीट मिली है। हालांकि मुंबई का मेयर पद प्रशासनिक रूप से सीमित अधिकारों वाला होता है, लेकिन यह राजनीतिक वर्चस्व का बड़ा प्रतीक माना जाता है। मेयर नगर निगम की अहम बैठकों की अध्यक्षता करता है। शिवसेना यूबीटी की किशोरी पेडणेकर 2022 में प्रशासक नियुक्त होने से पहले मुंबई की आखिरी मेयर थीं।

राज्यभर में भाजपा का दबदबा

राज्य की 29 नगर निगमों में हुए चुनावों में भाजपा ने 2,869 में से सबसे ज्यादा 1,425 सीटें जीती हैं। शिवसेना को 399 और एनसीपी को 167 सीटें मिली हैं। महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस को 324, शिवसेना यूबीटी को 155 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को 36 सीटें मिलीं।

बीएमसी मेयर की जंगः बीजेपी-शिंदे में खींचतान, क्या उद्धव ठाकरे के समर्थन से बनेगी बात?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के महापौर पद को लेकर चल रही अटकलों के बीच, चाहे वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिले या शिंदे सेना को, शहरी विकास विभाग ने मुंबई नगर निकाय के शीर्ष पद के लिए लॉटरी की तारीख की घोषणा कर दी है। इस बीच, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) या यूबीटी द्वारा देवेंद्र फडणवीस की भाजपा को समर्थन देने की खबरें भी चल रही हैं। राज्य के 29 महानगरों में महापौर पद के लिए आरक्षण लॉटरी गुरुवार, 22 जनवरी को आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया सुबह 11 बजे मंत्रालय के परिषद कक्ष में होगी। आरक्षण की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों का चयन किया जा सकेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जिन्होंने पहले कहा था कि महापौर का निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाएगा, विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को दावोस रवाना हो गए। उनके 24 जनवरी को भारत लौटने की उम्मीद है, जिसके बाद

महापौर पद पर राजनीतिक स्पष्टता आने की संभावना है। अब तक महापौर पद के लिए आरक्षण अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), महिलाओं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए बारी-बारी से निर्धारित किया जाता था। हालांकि, न्यूज18 मराठी सूत्रों के अनुसार, नियमों में बदलाव करके इस आरक्षण को चक्रीय रूप से शुरू किया जा सकता है।

राजनीतिक गहमागहमी को बढ़ाते हुए, शिंदे ने अपने पार्षदों को बांद्रा के एक पांच सितारा होटल में ठहराया है। पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसे नए पार्षदों के लिए एक संवाद और मार्गदर्शन कार्यक्रम बताया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे महापौर पद के लिए चल रही तीव्र सौदेबाजी के बीच दलबदल रोकने और आंतरिक एकता को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। शिंदे ने स्पष्ट किया कि यह ठहराव पार्षदों को एक साझा मंच प्रदान करने के लिए था, विशेष रूप से तब जब 29 सदस्यों के इस समूह का कोंकण संभागीय आयुक्त के पास औपचारिक पंजीकरण किया जा रहा है।

मेयर पद के चुनाव ने तीखी राजनीतिक खींचतान को जन्म दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे के खेमे के कई पार्षद मुंबई में भाजपा मेयर नहीं चाहते और उन्होंने उपमुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे यह सुनिश्चित करें कि अगला मेयर शिवसेना से ही हो। राउत ने यह भी याद दिलाया कि शिवसेना ने इतिहास में मुंबई को 23 मेयर दिए हैं, और आरोप लगाया कि शिंदे भी देश की वित्तीय राजधानी में भाजपा मेयर के पक्ष में नहीं होंगे। इस पर फडणवीस ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि 'ईश्वर की इच्छा' के कई अर्थ हो सकते हैं, और मजाक में कहा कि उन्हें नहीं पता कि राउत ऊपर वाले भगवान की बात कर रहे हैं या उनकी, क्योंकि उन्हें 'देवभाऊ' भी कहा जाता है।

कल्याणः हल्दी की रस्म में 'जहर' बना खाना, दुल्हन समेत 125 बीमार, ऐन वक्त पर टालनी पड़ी शादी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण शहर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। रविवार शाम को खड़कपाड़ा इलाके के एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (मोहन प्राइड) में आयोजित 'हल्दी' समारोह के दौरान संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण 125 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि शादी की खुशियाँ अस्पताल के कमरों में बदल गईं और परिवार को रविवार को होने वाला विवाह समारोह स्थगित करना पड़ा। खाना खाने के कुछ ही देर बाद, कई लोगों ने मतली, उल्टी और पेट में तकलीफ की शिकायत की, और उन्हें मेडिकल मदद के लिए पास के अस्पतालों और क्लीनिकों में ले जाया गया। पुलिस उपायुक्त (कल्याण जोन-III) अतुल झेंडे ने कहा, 'कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 से 125 लोग फूड पॉइज़निंग से पीड़ित हुए। उन सभी को समय पर इलाज मिला और वे घर लौट आए हैं।'

कैसे शुरू हुआ हादसा?

अधिकारियों के अनुसार, हल्दी की रस्म शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को चल रही थी। रात करीब 10 बजे मेहमानों को खाना परोसा गया। खाना खाने के कुछ ही घंटों बाद, यानी रात करीब 1 बजे से मेहमानों को जी मिचलाने, उल्टी, दस्त और पेट में तेज दर्द की शिकायत होने लगी। धीरे-धीरे बीमारों की संख्या बढ़ने लगी, जिससे समारोह स्थल पर चीख-पुकार मच गई। पीड़ितों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे।

दुल्हन की हालत गंभीर, शादी स्थगित

हादसे की शिकार खुद दुल्हन भी हुई। बताया जा रहा है कि फूड पॉइजनिंग के कारण दुल्हन को अत्यधिक कमजोरी और सदमा लगा, जिससे वह खड़ी होने की स्थिति में भी नहीं रही। उसे तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेटी की हालत और 125 से ज्यादा रिश्तेदारों के बीमार होने के कारण परिवार ने भारी मन से रविवार को होने वाली शादी को टालने का निर्णय लिया।

घटना की विस्तृत जांच जारी

उन्होंने आगे कहा कि घटना की विस्तृत जांच जारी है। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि खाना सप्लाई करने वाला कैटरर अहमदाबाद का है और उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा, 'कार्यक्रम में परोसे गए खाने के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।'

नदी जोड़ परियोजनाओं को पूर्ण करने हेतु केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता की मांग- महाराष्ट्र की मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य को सूखा मुक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की गई नदी जोड़ परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का अनुरोध महाराष्ट्र सरकार की ओर से किया गया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य द्वारा रखी गई मांग के संदर्भ में दी गई। राज्य में चल रही सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जलसंपदा मंत्री डॉ. राधाकृष्ण विखे पाटील, मंत्री गिरीश महाजन, जल शक्ति विभाग के केंद्रीय सचिव कांताराव, आयुक्त प्रविण कुमार, विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर, सचिव डॉ. संजय बेलसरे सहित राज्य की सभी सिंचाई विकास महामंडलों के कार्यकारी संचालक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में केंद्रीय मंत्री को राज्य में प्रगति पर चल रही सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी दी गई, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत राज्य में कुल 29 परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें से 5 कोंकण सिंचाई विकास महामंडल, 7 विदर्भ सिंचाई विकास महामंडल, 9 कृष्णा खोरे विकास महामंडल, 4 गोदावरी विकास महामंडल तथा 4 तापी सिंचाई विकास महामंडल के अंतर्गत हैं। इनमें से कृष्णा और गोदावरी महामंडलों की परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। जलसंपदा मंत्री डॉ. राधाकृष्ण विखे पाटील ने बैठक में जानकारी दी कि 13 में से 10 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं।

बलिराजा जल संजीवनी योजना के अंतर्गत कृष्णा एवं गोदावरी महामंडलों की कुल 15 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। शेष 2 परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए विभाग द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटील ने इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु कार्य गति बढ़ाने में सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में सूखा निवारण के उद्देश्य से अनेक नदी जोड़ परियोजनाएं हाथ में ली गई हैं। इनमें दामनगंगा-एकदरे-गोदावरी, दामनगंगा-वैतरणा-गोदावरी, कोंकण-गोदावरी खोरे, नळगंगा-वैनगंगा तथा पारा-गोदावरी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इन परियोजनाओं के लिए निधि की आवश्यकता है तथा इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की मांग जलसंपदा मंत्री डॉ. राधाकृष्ण विखे पाटील एवं मंत्री गिरीश महाजन द्वारा बैठक में की गई।

अहिल्यानगर जिले की निळवंडे 2 परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इसमें जलसंचय प्रारंभ हो गया है। इस परियोजना की बाईं एवं दाईं नहरों का कार्य भी पूर्ण किया जा रहा है। परियोजना की नहरों की अस्तरीकरण प्रक्रिया प्रगति पर है। जल वितरण प्रणाली को बंद पाइप प्रणाली के माध्यम से संचालित करने की नीति अपनाई गई है, जिसके लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत निधि उपलब्ध कराने की मांग इस बैठक में की गई। इसके लिए ?2,038 करोड़ का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि यदि निधि उपलब्ध होती है तो बंद पाइप जल वितरण प्रणाली के माध्यम से 64,260 हेक्टेयर क्षेत्र का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सकेगा।

कांग्रेस ने बीएमसी चुनावों में बड़ी गड़बड़ियों का लगाया आरोप, कहा- जमकर बांटे गए पैसे

मुंबई। कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने सोमवार को आरोप लगाया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर हमले हुए, जिसमें उम्मीदवारों पर चुनाव से हटने का दबाव, पैसे बांटना और वोटों की गिनती के दौरान गड़बड़ियां शामिल हैं।

कांग्रेस का खराब प्रदर्शन

हाल ही में हुए बीएमसी चुनावों में कांग्रेस ने वंचित बहुजन अघाड़ी , आरएसपी और आरपीआई (गवई) के साथ गठबंधन किया था। जिसमें यह गठबंधन सिर्फ 27 सीटें ही जीत सका। 2017 के चुनावों में कांग्रेस ने 31 सीटें जीती थीं। भाजपा और शिवसेना के गठबंधन ने बीएमसी में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जिसमें उन्हें क्रमशः 89 और 29 सीटें मिलीं, जबकि शिवसेना (यूबीटी) ने 65 सीटें जीतीं और उसकी सहयोगी एमएनएस

छह सीटों पर विजयी रही।

बड़ी गड़बड़ियों के बीच उम्मीदवारों ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी

पत्रकारों से बात करते हुए गायकवाड़ ने दावा किया कि 15 जनवरी के चुनावों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर हमले हुए, जिसमें उम्मीदवारों पर अपना नामांकन वापस लेने का दबाव डाला गया, पैसे बांटे गए और वोटों की गिनती के दौरान गड़बड़ियां देखने को मिली।

नए चुने गए पार्षदों से मिलने के बाद उन्होंने कहा, इन बाधाओं के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए मजबूती से खड़े रहे। पार्टी की मुंबई इकाई की प्रमुख गायकवाड़ ने कहा कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि नगर प्रशासन जिम्मेदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करे।

उन्होंने आगे कहा, हमारे चुने हुए प्रतिनिधि निगम के अंदर मुंबईकरों की आवाज उठाएंगे और उनके अधिकारों की रक्षा करेंगे।

सम्पादकीय

बीएमसी चुनाव में भाजपा बनी सबसे बड़ी पार्टी, क्या शिंदे की शिवसेना पर भारी पड़ेगी 'बड़े भाई' की दावेदारी?

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन 'महायुति' ने जीत का परचम लहरा दिया है। साथ ही अविभाजित शिवसेना की लगातार ढाई दशक से चली आ रही सत्ता की विरासत को भी छीन लिया है। भाजपा इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जो उसके बढ़ते जनाधार का संकेत है।

वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भले हार गई, मगर वह अपनी कुछ साख बचाने में कामयाब रही है। अब सवाल यह है कि बीएमसी का नया महापौर कौन होगा और महायुति में शामिल किस दल का होगा? इसको लेकर जीत हासिल करने वाले गठबंधन के बीच जोर-आजमाइश भी शुरू हो गई है।

हालांकि, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को भाजपा से काफी कम सीटों पर जीत हासिल हुई है, मगर वह महापौर की दावेदारी में बनी हुई है। सवालों और सियासत के इस क्रम में यह उम्मीद ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि बीएमसी की नई सत्ता मुंबई के संपूर्ण विकास के नए द्वार खोलेगी। बीएमसी को देश का सबसे अमीर निगम माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इसका बजट, जो देश के कई छोटे राज्यों के बजट से कहीं ज्यादा होता है।

यही कारण है कि बीएमसी चुनाव की सिर्फ मुंबई में ही नहीं, बल्कि देश भर में चर्चा होती है। पिछले 25 वर्षों से बीएमसी में अविभाजित शिवसेना की सत्ता रही है। मगर, इस बार के चुनाव में भाजपा नीत महायुति ने शिवसेना के इस किले में ऐसी सेंध लगाई कि उसे सत्ता से बेदखल कर दिया। अब सवाल यह है कि बीएमसी का महापौर भाजपा का होगा या फिर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का।

देखा जाए तो बीएमसी चुनाव में भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं और इस लिहाज से महापौर के लिए उसकी दावेदारी सबसे ऊपर है। मगर शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने इस पर अभी तक अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट नहीं किया है। अब ऐसी भी खबरें आई हैं कि शिवसेना महापौर का पद पाने के लिए भाजपा पर दबाव बना सकती है।

दरअसल, भाजपा ने भले ही बीएमसी चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं, लेकिन आंकड़ों की लिहाज से शिवसेना (शिंदे) के बिना उसका सत्ता में आना मुश्किल है। इस सियासी गणित के जरिए एकनाथ शिंदे दबाव की रणनीति अपना सकते हैं। ये कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं, क्योंकि शिवसेना (शिंदे) की ओर से पहले भी इस तरह के संकेत दिए जा चुके हैं कि बीएमसी में महापौर उनकी पार्टी से होना चाहिए। हालांकि, सियासी गलियारों में ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि भाजपा व शिवसेना बीच का रास्ता निकाल सकती हैं।

मसलन, दोनों दलों को ढाई-ढाई साल तक महापौर के पद पर काबिज होने का मौका मिले। बहरहाल, उम्मीद यही की जानी चाहिए कि बीएमसी की बागडोर संभालने वाले मुंबई के विकास को रफ्तार देंगे, लोगों के हित उनकी प्राथमिकता में होंगे और बुनियादी समस्याओं को केंद्र में रखकर नई योजनाएं बनाई जाएंगी। क्योंकि, चुनाव में जनता विकास की उम्मीद एवं विश्वास के साथ प्रतिनिधि चुनती है और इस भरोसे को कायम रखने की जिम्मेदारी भी संबंधित दल और प्रतिनिधि की ही होती है।

बड़े पर्दे पर अश्लीलता और भद्देपन की हदें पार
यश की फिल्म के सीन पर सीबीएफसी की कैंची चलना जरूरी

ओटीटी प्लेटफॉर्म आने के बाद भारतीय मनोरंजन जगत में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जहां पहले फिल्मों और टीवी सीरियल्स पर सेंसर की सख्ती रहती थी, वहीं ओटीटी ने क्रिएटर्स को खुली आजादी दी गई। इसी आजादी का नतीजा है कि आज फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड सीन, गाली-गलौज और अभद्र भाषा का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। ऐसा लगता है कि हर दूसरी फिल्म या सीरीज में किसी न किसी रूप में अश्लीलता परोसी जा रही है।

निर्माताओं का तर्क है कि वे रियलिस्टिक कंटेंट दिखाना चाहते हैं और समाज की सच्चाई को बिना फिल्टर सामने रख रहे हैं। कुछ हद तक यह बात सही भी है, क्योंकि समाज में मौजूद कड़वी सच्चाइयों को दिखाना जरूरी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हर कहानी के लिए बोल्ड सीन और गालियों का सहारा लेना कितना सही है? कई बार लगता है कि कहानी की मांग से ज्यादा सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए ऐसे सीन जोड़े जा रहे हैं।

इस बढ़ते ट्रेंड का असर दर्शकों, खासकर युवाओं और बच्चों पर भी पड़ रहा है। मनोरंजन के नाम पर परोसा जाने वाला कंटेंट अगर सोच और संस्कारों पर असर डालने लगे, तो यह चिंता की बात है। मेकर्स की जिम्मेदारी बनती है कि मजबूत कहानी, दमदार अभिनय और असरदार डायलॉग से दर्शकों के दिल तक पहुंचा जाए, बजाय इसके कि वो पर्दे पर अश्लीलता दिखाए। इस

वक्त रॉकिंग स्टार कहलाए जाने वाले यश की फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ऐसे ही कुछ कारणों से सुर्खियों में है। इस फिल्म के टीजर में अशलीलता की हदें पार कर दी गई हैं और इसके खिलाफ तमाम लोगों ने आवाज भी उठाई है।

फिल्म के टीजर की शुरुआत में एक गंभीर माहौल दिखाया जाता है। कब्रिस्तान में कई लोग किसी को दफना रहे होते हैं और वहीं बाहर कार में यश और बीट्रिज टौफेनबाख को कार में इंटिमेट होते हुए दिखाया है। इसके बाद खतरनाक फायरिंग होती है, जिसमें कई लोग मौत के घाट उतारे जाते हैं। इस वॉयलेंस के अलावा इस टीजर में इंटिमेट सीन में अभद्रता की सारी हदें पार की गई हैं। कुल मिलाकर फिल्म का टीजर, टीजर कम और कंडोम या किसी इंटिमेट पावर सप्लीमेंट का विज्ञापन ज्यादा लग रहा है।

फिल्म के टीजर में अगर इतनी अश्लीलता परोसी जा रही है तो जरा सोचिए पूरी फिल्म में इस तरह के कितने सीन देखने को मिलेंगे। इस तरह के अभद्र सीन दिखाना दर्शकों के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है, क्योंकि यश के फैंस में बच्चे और युवा शामिल हैं। ऐसे में अगर वो ये बोल्ड सेक्स सीन देखते हैं तो उनके दिमाग पर सही असर नहीं होगा। सेंसर बोर्ड को इस मामले में दखल देनी होगी और इस तरह के सीन को फिल्म से हटाने के निर्देश देने चाहिए।

तमाम लोगों ने फिल्म के टीजर को लेकर शिकायत की है, ऐसा करने वालों का कहना है कि फिल्मों में लगातार अश्लील सीन और अभद्र भाषा दिखाई जा रही है, जिससे समाज पर गलत असर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि सिर्फ चर्चा और प्रचार पाने के लिए ऐसे सीन जोड़े जा रहे हैं, जबकि कहानी के लिए उनकी जरूरत नहीं है। इसी को लेकर संबंधित अधिकारियों से मांग की गई है कि टीजर और फिल्म के कंटेंट की जांच की जाए और जरूरत पड़े तो ऐसे सीन को हटाया जाए। हालांकि, फिल्म निर्माताओं की ओर से अब तक इस शिकायत पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, यश के फैंस का कहना है कि टीजर सिर्फ फिल्म की झलक है और पूरी फिल्म देखने के बाद ही कोई राय बनानी चाहिए। फिलहाल, 'टॉक्सिक' का टीजर विवादों में भी घिरा हुआ है।

बोल्ड और आपत्तिजनक सीन को लेकर महिला आयोग के पास शिकायत पहुंची है, जिसमें कहा गया है कि टीज़र में महिलाओं को गलत और आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है, जो उनकी गरिमा के खिलाफ है। शिकायत मिलने के बाद महिला आयोग का मानना है कि मनोरंजन के नाम पर महिलाओं की छवि को ठेस पहुंचाने वाला कंटेंट स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह फिल्म हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि महिला आयोग ने क्रेंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से आग्रह किया है कि फिल्म के कंटेंट की जांच की जाए।

आम आदमी पार्टी की कर्नाटक राज्य महिला विंग ने टॉक्सिक फिल्म के टीजर में दिखाए गए एक सीन को अश्लील और अनुचित बताते हुए कर्नाटक राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया है कि टीजर में मौजूद आपत्तिजनक सीन महिलाओं और बच्चों के सामाजिक हित के लिए नुकसानदेह हैं और इससे महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है। शिकायत में इस बात की भी मांग की गई है कि मनोरंजन कंटेंट को बिना उम्र से जुड़ी चेतावनी के सार्वजनिक रूप से रिलीज नहीं किया जाना चाहिए और ऐसे सीन को हटाने या उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

साल 2023 में आई फिल्म 'एनिमल' में भी कुछ ऐसे सीन थे, जिन्हें लेकर आपत्ति जताई गई थी। वैसे तो फिल्म में रोमांस वाले कई सीन थे, लेकिन रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के कुछ हद से ज्यादा बोल्ड सीन भी दिखाए गए थे। एक तो फिल्म में जरूरत से ज्यादा हिंसा थी और उसके साथ ऐसे सीन। ये फिल्म परिवार या बच्चों के साथ देखने लायक नहीं थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कमाल दिखाया था। रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' साल 2023 की जबरदस्त हिट रही, जिसने दुनिया भर में कुल कमाई लगभग 917-920 करोड़ की कमाई की थी।

वैसे तो भारत में फिल्में सेंसर्स बोर्ड (सीबीएफसी) के नियमों के तहत आती हैं, जिनका मकसद फिल्मों को सामाजिक तरीके से पेश करना है। लेकिन इन दिनों हद से ज्यादा आपत्तिजनक चीजें दिखाई जा रही हैं, जो सेंसर बोर्ड के नियमों का उल्लंघन है, हालांकि फिल्म को रिलीज़ होने में दिक्कत हो सकती है। इसके साथ ही भारत जैसे देशों में समाज की सांस्कृतिक और नैतिक सीमाएं सेट होती हैं, ऐसे में अगर फिल्में इन सीमाओं को पार कर दें तो लोग इसे स्वीकार नहीं कर पाते।

'ग्रीनलैंड पर जो देश बीच में आयेगा उस पर टैरिफ ठोंकेगे' यह साधारण बयान नहीं, दुनिया को ट्रंप की खुली धमकी है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति में उथल पुथल मचा दी है। इस बार विवाद का केंद्र बना है ग्रीनलैंड। ट्रंप ने संकेत दिया है कि दुनिया के जो देश ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की रणनीति का समर्थन नहीं करेंगे, उन पर अमेरिका भारी टैरिफ लगा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सक्रियता तेजी से बढ़ रही है और अमेरिका वहां अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका तर्क है कि आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनने जा रहा है और ग्रीनलैंड इस पूरे क्षेत्र की चाबी है। उन्होंने साफ संकेत दिया कि जो देश इस अमेरिकी सोच के साथ नहीं आएंगे, उन्हें आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

हम आपको बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है और डेनमार्क सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड न तो बिकाऊ है और न ही किसी दबाव में सौंपा जा सकता है। ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रशासन ने भी अमेरिका की इस सोच को खारिज करते हुए कहा है कि वहां के लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे। वहीं यूरोप के कई देशों ने डेनमार्क के समर्थन में बयान दिए हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। साथ ही ट्रंप की टैरिफ धमकी को कई देशों ने आर्थिक जबरदस्ती करार दिया है। ट्रंप के ताजा बयान के बाद ट्रांस अटलांटिक रिश्तों में तनाव साफ दिखाई देने लगा है और नाटो के भीतर भी असहजता बढ़ती नजर आ रही है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक ऐसी राजनीति को उजागर करता है जिसमें कूटनीति नहीं बल्कि धमकी हथियार बन चुकी है।

ग्रीनलैंड क्यों अहम है यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि यह कोई साधारण बर्फीला द्वीप नहीं है। यह आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक ऐसा भूभाग है जहां से उत्तरी अटलांटिक पर नजर रखी जा सकती है। यहां दुर्लभ खनिज संसाधन हैं। यहां से मिसाइल चेतावनी प्रणाली, नौसैनिक गतिविधियां और वायु मार्ग नियंत्रित किए जा सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका इसे केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य नजरिये से भी देखता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि ग्रीनलैंड कितना महत्वपूर्ण है। असली सवाल यह है कि क्या किसी देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सामरिक जरूरतों के नाम पर दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाए। ट्रंप का बयान इसी सोच की खतरनाक मिसाल है।

देखा जाये तो टैरिफ अब अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। टैरिफ का इस्तेमाल कभी व्यापार संतुलन के लिए होता था। आज यह राजनीतिक और सामरिक दबाव का औजार बन गया है। ट्रंप की धमकी बताती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर कह रहा है या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ या आर्थिक सजा भुगतो। यह नीति न केवल वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाती है बल्कि छोटे और मध्यम देशों को डर के साए में जीने पर मजबूर करती है। आज ग्रीनलैंड है। कल कोई और मुद्दा होगा। यह रवैया पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है।

दूसरी ओर, नाटो की नींव सामूहिक सुरक्षा और आपसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन जब नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही दूसरे सदस्य देश पर दबाव डालने लगे, तो यह गठबंधन कैसे टिकेगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है। ग्रीनलैंड उसका हिस्सा है।

अगर अमेरिका उसी देश को धमकी दे रहा है, तो यह नाटो पर सीधा हमला है। यह संदेश जा रहा है कि गठबंधन तभी तक मान्य है जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल है। इस बीच, यूरोप के कई देशों के भीतर अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका सच में भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार है या नहीं। यह वही दरार है जो नाटो को अंदर से खोखला कर सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो इसके दूरगामी सामरिक परिणाम होंगे। रूस और चीन को यह कहने का मौका मिलेगा कि पश्चिमी देश दोहरे मानदंड अपनाते हैं। ऐसे में यूरोप अपने स्वतंत्र रक्षा ढांचे की ओर और तेजी से बढ़ सकता है। इससे नए सैन्य और आर्थिक गुट बन सकते हैं। इसका मतलब यह भी है कि दुनिया एक बार फिर गुटों में बंटने की ओर बढ़ेगी। शीत युद्ध जैसी स्थिति लौट सकती है लेकिन इस बार आर्थिक हथियार ज्यादा खतरनाक होंगे।

अब सवाल उठता है कि क्या नाटो खत्म होने की कगार पर है? जवाब यह है कि नाटो तुरंत खत्म नहीं होगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि वह अपने सबसे नाजुक दौर में है। अगर अमेरिका इसी तरह सहयोगियों पर दबाव डालता रहा, तो नाटो का अस्तित्व केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। देखा जाये तो किसी भी गठबंधन की ताकत हथियारों से नहीं, भरोसे से आती है। और भरोसा तब टूटता है जब धमकी संवाद की जगह ले ले। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक चेतावनी है। यह चेतावनी है उस दुनिया के लिए जो नियम आधारित व्यवस्था पर भरोसा करती रही है। यह संकेत है कि आने वाले समय में ताकतवर देश ज्यादा आक्रामक और ज्यादा बेपरवाह हो सकते हैं। अगर इस सोच को समय रहते रोका नहीं गया, तो न केवल नाटो बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में फंस सकती है। ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे केवल खनिज नहीं हैं, वहां भविष्य के टकराव की चिंगारी भी छुपी हुई है।

अमेरिका के पड़ोस में जंग! लैटिन अमेरिका क्यों बन रहा है महाशक्तियों का अखाड़ा

मेक्सिको और कैरिबियन समेत कई देशों तक फैला लैटिन अमेरिका भौगोलिक रूप से अमेरिका से जुड़ा हुआ है। इसकी स्थिरता और सुरक्षा भी अमेरिका के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी है। यह क्षेत्र अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जो विदेशी निवेश के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। लैटिन अमेरिका के कई देशों की वैचारिक प्रतिबद्धताएं पूंजीवाद के खिलाफ रही हैं, जिसका असर राजनीतिक परिस्थितियों पर पड़ा है। यही कारण है कि ऐसे कुछ देशों से अमेरिका अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित रहा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लेने की अमेरिकी कार्रवाई के पीछे पूंजीवाद और साम्यवाद के बीच गहरे मतभेद हैं। अब इस संकट के और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ प्रत्यक्ष कार्रवाई से यह संदेश गया है कि दुनिया की महाशक्तियां अब परंपरागत कूटनीतिक सीमाओं से आगे जाकर दबाव बनाने को तैयार हैं। इससे लैटिन अमेरिका समेत दुनिया के कई छोटे और मध्यम देशों में यह डर पैदा हुआ कि उनकी राजनीतिक संप्रभुता भी बाहरी शक्तियों के निर्णयों से प्रभावित हो सकती है। रूस, चीन और कुछ विकासशील देश इसे सत्ता परिवर्तन की राजनीति के रूप में देख रहे हैं, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी इसे लोकतंत्र या मानवाधिकारों के नाम पर उचित ठहरा रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में पहले से मौजूद विभाजन और गहरा हो गया है तथा अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनयिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई है। यह वैश्विक अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह बन सकती है।

लैटिन अमेरिका, अमेरिका के लिए सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति-संतुलन का एक अहम क्षेत्र है। अमेरिका इस समूचे क्षेत्र पर नियंत्रण रखना चाहता है। मगर वेनेजुएला, क्यूबा, निकारागुआ, कोलंबिया, ब्राजील, अर्जेंटीना, मेक्सिको, चिली और पेरू जैसे देशों ने रूस तथा चीन पर ज्यादा भरोसा दिखाया है। इससे अमेरिका असहज रहता है। दूसरी ओर, प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होने के बाद भी लैटिन अमेरिकी देशों में गरीबी, बेरोजगारी और अपराध एक बड़ी समस्या है। ज्यादातर देशों में राजनीतिक अस्थिरता, शासन का कुप्रबंधन और सत्तावादी ताकतों की लामबंदी से लोग बेहाल हैं, जो पलायन करके अमेरिका में बसना बेहतर विकल्प मानते हैं। इस क्षेत्र की बड़ी समस्या आर्थिक असमानता भी है। समाज का एक छोटा वर्ग अत्यधिक संपन्न है, जबकि बड़ी आबादी गरीबी, बेरोजगारी और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। इस असमानता के कारण युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

कोलंबिया, मैक्सिको और मध्य अमेरिका में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार कानून-व्यवस्था को चुनौती देता है। इससे आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में रहती है। राजनीतिक अस्थिरता, अवैध प्रवासन, नशीली दवाओं की तस्करी और हिंसा सीधे अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा को प्रभावित करती है। इसी कारण अमेरिका इस क्षेत्र को अपने लिए बड़ी चुनौती मानता है। हालांकि, लोकतांत्रिक लैटिन अमेरिकी देशों और अमेरिका के बीच संबंध आम तौर पर अच्छे रहे हैं, लेकिन अमेरिका कुछ लैटिन अमेरिकी देशों में लोकतंत्र की कमी या मादक पदार्थों के खिलाफ पर्याप्त उपाय न करने को लेकर आलोचना करता रहता है।

लैटिन अमेरिका तेल, गैस, लिथियम, तांबा, सोया और कृषि उत्पादों से समृद्ध है। अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों ने अरबों डालर का निवेश इस क्षेत्र में किया है, जिन्हें सुरक्षित रखना उसकी प्राथमिकता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने भारी निवेश, ऋण और आधारभूत संरचना परियोजनाओं के जरिए इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाया है। जबकि रूस सैन्य और ऊर्जा सहयोग के माध्यम से इस क्षेत्र में अमेरिका के हितों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता रहा है।

लैटिन अमेरिका में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी को रोकना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति की एक बड़ी प्राथमिकता रही है। ट्रंप प्रशासन को आशंका है कि चीन की आर्थिक घुसपैठ और रूस की सैन्य तथा राजनीतिक सक्रियता अमेरिका के सुरक्षा, व्यापार और भू-राजनीतिक वर्चस्व को कमजोर कर सकती है। अमेरिका इस क्षेत्र को ऐतिहासिक रूप से अपने रणनीतिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता आया है, इसलिए किसी बाहरी महाशक्ति की सक्रियता उसे सीधे चुनौती देती है। चीन इस क्षेत्र में अब केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उपग्रह निगरानी स्टेशन, साइबर निगरानी केंद्र, बंदरगाहों और सैन्य उपयोगी बुनियादी ढांचे के जरिए अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है।

अमेरिका को डर है कि ये सुविधाएं भविष्य में जासूसी, नौसैनिक संचालन और मिसाइल निगरानी के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं। यदि चीन को क्यूबा, वेनेजुएला या निकारागुआ जैसे देशों में स्थायी रणनीतिक पहुंच मिल जाती है, तो अमेरिका अपने ही पड़ोस में एक प्रतिद्वंद्वी शक्ति से घिरा महसूस करेगा। ताइवान या एशिया प्रशांत क्षेत्र में किसी टकराव की स्थिति में चीन, लैटिन अमेरिका में अपने ठिकानों का उपयोग अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए कर सकता है।

चीन का सहयोगी और अमेरिका का कड़ा सामरिक प्रतिद्वंदी रूस, वेनेजुएला तथा क्यूबा और निकारागुआ जैसे देशों के साथ सैन्य सहयोग, हथियार आपूर्ति और खुफिया साझेदारी बढ़ा रहा है, जो सीधे अमेरिकी सुरक्षा हितों को चुनौती देता है। अमेरिका ने इस बढ़ती चुनौती का जवाब आर्थिक दबाव, प्रतिबंधों और कूटनीतिक सक्रियता से देने की कोशिश की है। वेनेजुएला पर कठोर प्रतिबंध, क्यूबा पर सख्ती और क्षेत्रीय सहयोगियों पर दबाव इसी रणनीति का हिस्सा है।

लैटिन अमेरिका में अमेरिका, रूस और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता आने वाले वर्षों में इस पूरे क्षेत्र की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा संरचना को गहराई से प्रभावित कर सकती है। यह प्रतिस्पर्धा निवेश, तकनीक, हथियार, कूटनीति और संसाधनों से आगे निकल कर युद्ध जैसी स्थिति तक जा सकती है। इसका असर आम जनता पर पड़ेगा। यदि देशों को किसी एक गुट को चुनने के लिए मजबूर किया गया, तो राजनीतिक अस्थिरता, प्रतिबंध और आर्थिक संकट गहराएंगे।

विदेशी निवेश के लिए महाराष्ट्र भारत का प्रवेश द्वार - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

दावोस में महाराष्ट्र प्रदर्शनी मंडप तैयार, उद्योगों और निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र

ज्यूरिख। 'महाराष्ट्र भरोसेमंद राज्य है। हम जो कहते हैं, वही करते हैं। इसी कारण विश्वभर के उद्योगपतियों और निवेशकों का महाराष्ट्र पर विश्वास लगातार बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार किया है और एक प्रभावी व्यवस्था खड़ी की है। उसी के परिणामस्वरूप इस वर्ष भी महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा,' ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र भारत में आने वाले निवेश के लिए 'गेटवे ऑफ इंडिया' अर्थात भारत का प्रवेश द्वार है। देश के अन्य राज्यों के साथ हमारी सकारात्मक प्रतिस्पर्धा है, जो अंततः देश के हित में है। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा में महाराष्ट्र आगे है, इस पर हमें गर्व है।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत के साथ प्रतिनिधिमंडल सहित दावोस पहुंचे हैं। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र प्रदर्शनी मंडप में मीडिया से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश लाने का प्रयास किया जा रहा है और इसके लिए 10 से 12 विविध क्षेत्रों के उद्योगों से समन्वय किया जा रहा है। अब तीसरी मुंबई आकार ले रही है, जिसके लिए बड़े निवेश के संकेत प्राप्त हुए हैं। 'हमारे पास निवेश के लिए एक बेहतरीन विकल्प सूची है, इसलिए हम निवेशकों को आकर्षित करने में सफल होंगे,' उन्होंने कहा।

विश्व आर्थिक मंच निवेशकों के लिए चौपाल

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक उद्योगों और निवेशकों के लिए एक प्रकार की चौपाल है। यहां हर वर्ष महाराष्ट्र की क्षमताओं और अवसरों का प्रदर्शन किया जाता है। इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक निवेश आने की उम्मीद है। देश में निवेश समझौतों को धरातल पर उतारने में महाराष्ट्र अग्रणी रहा है और अब तक लगभग 60 से 65 प्रतिशत समझौते सफलतापूर्वक क्रियान्वित किए गए हैं।

दावोस प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है और यहां वैश्विक उद्योग जगत एकत्रित होता है। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र से आए उद्यमियों से इस मंच का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान किया।

2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा महाराष्ट्र

सकाळ मीडिया समूह के वैश्विक प्रभाव मंच में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पिछले एक दशक में महाराष्ट्र ने औसतन 10 प्रतिशत से अधिक विकास दर बनाए रखी है। राज्य 2032 तक देश की पहली एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है, किंतु लक्ष्य इसे 2030 तक प्राप्त करने का है।

वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का उज्ज्वल केंद्र है। जब विश्वभर में विकास दर धीमी है, तब भी महाराष्ट्र मजबूत विकास बनाए हुए है और भारी निवेश आकर्षित कर रहा है।

देश के 39 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश महाराष्ट्र में

पिछले वर्ष भारत में आए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का 39 प्रतिशत महाराष्ट्र में आया, जिससे राज्य निवेश के मामले में देश में अग्रणी बना है। राज्य सरकार ने अब तक 15 से 16 निवेश समर्थक नीतियां लागू की हैं, जिनसे निवेशकों के लिए मजबूत और भरोसेमंद व्यवस्था तैयार हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में निवेश की कोई कमी नहीं है, बल्कि अनुकूल वातावरण की आवश्यकता होती है, जो राज्य में उपलब्ध है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार सृजन में उनकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र और राज्य सरकारें इन उद्योगों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में पूंजी के साथ-साथ भरोसेमंद कार्य इतिहास सबसे बड़ा कारक है और महाराष्ट्र ने अपने हर वादे को निभाया है।

16 लाख करोड़ के सामंजस्य करार, 75-80 प्रतिशत क्रियान्वयन दर

पिछले वर्ष महाराष्ट्र में 16 लाख करोड़ रुपये के सामंजस्य करार हुए। इन्हें वास्तविक निवेश में परिवर्तित करने के लिए राज्य सरकार ने विशेष निगरानी प्रणाली विकसित की है। जहां देश स्तर पर सामंजस्य करारों का क्रियान्वयन 25-30 प्रतिशत होता है, वहीं महाराष्ट्र में यह 50-55 प्रतिशत है और दावोस करारों के मामले में 75-80 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। भूमि आवंटन, मंजूरी प्रक्रिया और विशेष नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दिया जा रहा है।

नवोदित उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य की तकनीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नवोदित उद्योग 3-4 वर्षों में ही वैश्विक स्तर की कंपनियां बन रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा प्रबंधन और उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में भारत, विशेष रूप से महाराष्ट्र, अग्रणी भूमिका निभा सकता है। देश की 60 प्रतिशत आंकड़ा केंद्र क्षमता महाराष्ट्र में है, जिससे राज्य भारत की आंकड़ा केंद्र राजधानी बन चुका है। हरित ऊर्जा आधारित उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति से इस क्षमता को और बढ़ाया जाएगा।

शिक्षा नगर, नवाचार नगर और 35 लाख उच्च वेतन वाली नौकरियां

नवी मुंबई हवाई अड्डे के समीप शिक्षा नगर, नवाचार नगर, खेल नगर, चिकित्सा नगर और वैश्विक क्षमता केंद्र नगर विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से लगभग 35 लाख उच्च वेतन वाली नौकरियां सृजित होंगी और यह समूह भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगा।

वधावन बंदरगाह : अगले 100 वर्षों का विकास केंद्र

वधावन बंदरगाह विश्व के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होगा और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से तीन गुना बड़ा होगा। यह विश्व के सबसे बड़े जहाजों को संभालने में सक्षम होगा। अगले तीन वर्षों में इसका पहला चरण प्रारंभ होगा और यह आगामी 100 वर्षों तक भारत की समुद्री एवं माल परिवहन क्षमता को मजबूती प्रदान करेगा।

उद्योगों को पूर्ण सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग विकास के लिए कानून व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है और महाराष्ट्र में शून्य सहनशीलता की नीति लागू है। महाराष्ट्र में निवेश सुरक्षित, भरोसेमंद और भविष्य के लिए सर्वोत्तम है।

शहर देश की सकल घरेलू उत्पाद की रीढ़

देश की लगभग 65 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद शहरी क्षेत्रों के आसपास उत्पन्न होती है। इस वास्तविकता को पहचानते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहरों में बड़े पैमाने पर निवेश प्रारंभ किया। स्मार्ट सिटी, अमृत योजना, स्वच्छ भारत अभियान और शहरी बुनियादी ढांचे के कारण भारतीय शहर तेजी से परिवर्तित हो रहे हैं।

महाराष्ट्र की 29 नगरपालिकाएं, 45 प्रतिशत आबादी

राज्य की 29 नगरपालिकाओं में महाराष्ट्र की लगभग 40-45 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। इन शहरों को अधिक रहने योग्य बनाने से न केवल नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान : नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन का दिया गया संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक। आज श्रीमान पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

भगवान लीलाओं से रज, अग्नि, जल को करते है शुद्ध : स्वामी ब्राह्मश्रम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज की भागवद कथा माघ मेला के सेक्टर -6 ओल्ड जीटी रोड पर चल रही है। पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज ने कथा में आज भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और गोवर्धन लीला का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान लीला से रज, अग्नि और जल को शुद्ध करते है.। भगवान लोगों को जीवन की राह, चरित्र की राह, सदगति की राहकर्म की यराह, उन्नति की राह, धर्म की राह दिखाते हुए मोक्ष और सदगति की राह पर लें जाते है। कथा के मुख्य यजमान प्रयागराज के पूर्व टीटीई बैजनाथ मिश्र और सुनीता मिश्रा है। कथा का समापन 21 जनवरी को होगा। शिविर में माघी पूर्णिमा तक सुबह जलपान का वितरण और उसके बाद संत, श्रद्धालुओं के लिए भण्डारा चलता है जिसमें बडी संख्या मे लोग प्रसाद लेते है।

वीण तोगड़िया पहुंचे थरवई, हिंदू समाज से एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया सोमवार को थरवई बाजार स्थित समाजसेवी अमर बहादुर चौरसिया के निज निवास पर पहुंचे। उनके आगमन पर स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदू संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।अपने संबोधन में प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू समाज को संगठित और एकजुट रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित रहता है, तभी राष्ट्र मजबूत होता है और देशहित में सकारात्मक कार्य संभव हो पाते हैं। उन्होंने युवाओं से सामाजिक चेतना के साथ आगे आने का आह्वान किया।प्रवीण तोगड़िया ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे कथित अत्याचारों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय में गंभीरता दिखाने और ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हैं और भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी पहल करते हुए वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।उन्होंने हिंदुत्व के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदुत्व किसी के विरोध का नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और संस्कारों का मार्ग है।

समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से ही समाज को सशक्त बनाया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रवीण तोगड़िया के विचारों का समर्थन करते हुए एकजुट रहने का संकल्प लिया। अंत में आयोजकों की ओर से उनका आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर के युवा भारत के स्किल्ड वर्कफोर्स का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं : जयन्त चौधरी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने आज गुवाहाटी, असम के गौहाटी विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए इंडियास्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता 2025-26 का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के युवा 26 स्किल्स में एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), अपने कार्यान्वयन भागीदार राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एमएसडीसी) के साथ मिलकर, पहली बार भारत की प्रमुख स्किलिंग चैंपियनशिप को पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयोजित कर रहा है। इससे क्षेत्र के युवा प्रतिभाओं को घर के पास ही राष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने का एक मूल्यवान अवसर मिल रहा है। मंत्री जयन्त चौधरी ने आगे कहा कि, 'इंडियास्किल्स सिर्फ़ एक प्रतियोगिता नहीं है, यह उत्कृष्टता, अनुशासन और काम की गरिमा का उत्सव है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में बहुत ज़्यादा टैलेंट और आकांक्षाएं हैं और यह प्लेटफ़ॉर्म हमारे विश्वास को दर्शाता है कि इस क्षेत्र के युवा भारत के स्किल्ड वर्कफ़ोर्स का नेतृत्व करने और देश के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हैं।'

गंगा की गोद में ड्यूटी करना अपने आप में दिव्य अनुभूति : कमांडेंट जितेंद्र ओझा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर गंगा तट पर श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात आरएएफ 91वीं बटालियन के अधिकारी एवं जवानों ने आस्था, सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पूरी मुस्तैदी से की गई ड्यूटी ने यह सिद्ध कर दिया कि सुरक्षा बल केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि मानवता और सेवा भाव के भी प्रतीक हैं।आरएएफ 91वीं बटालियन के कमांडेंट जितेंद्र ओझा ने कहा कि गंगा की गोद में माघ मेला जैसे पावन आयोजन में श्रद्धालुओं की सेवा करना अपने आप में एक दिव्य अनुभूति है। यह ऐसा अनुभव है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन संगम तट पर उमड़े श्रद्धालुओं का उत्साह, आस्था और धैर्य देखते ही बन रहा था। कड़ाके की ठंड, लंबी यात्रा और भारी सामान के बोझ से कंधों में दर्द होने के बावजूद श्रद्धालुओं के कदम कहीं भी डगमगाए नहीं। वे पूरे श्रद्धा भाव के साथ संगम स्नान की ओर बढ़ते रहे।कमांडेंट जितेंद्र ओझा ने कहा कि श्रद्धालुओं की यह आस्था इस बात का प्रमाण है कि भक्ति कोई आसान मार्ग नहीं, बल्कि एक कठिन तपस्या है।

संकट, ठंड और भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं का धैर्य और अनुशासन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा। ऐसे दृश्यों को देखकर ड्यूटी पर तैनात हर जवान का मन सेवा भाव से भर जाता है।बी कंपनी 91 बटालियन की उप कमांडेंट रीना घोष ने कहा कि गंगा तट पर श्रद्धालुओं की आंखों में भक्ति का जोश और चेहरे पर संतोष का भाव देखकर मन स्वतः ही प्रफुल्लित हो गया। उन्होंने कहा कि भारी भीड़ और संभावित संकटों के बीच श्रद्धालुओं की सेवा करना हर सुरक्षाकर्मी के लिए गर्व और सौभाग्य की बात होती है। इस तरह के आयोजनों में सेवा करने से आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है।कमांडेंट एवं उप कमांडेंट ने बताया कि माघ मेला ड्यूटी के दौरान आरएएफ 91वीं बटालियन के सभी अधिकारी, पुरुष व महिला जवान पूरी निष्ठा, संयम और अनुशासन के साथ तैनात रहे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, मार्गदर्शन, भीड़ नियंत्रण और सहयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। जवानों ने सेवा भाव और मानवता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास ही सुरक्षाबलों को अपने कर्तव्य के प्रति और अधिक प्रेरित करता है। गंगा तट पर श्रद्धालुओं की सेवा करते हुए जो आत्मिक संतोष प्राप्त होता है, वही इस ड्यूटी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। आरएएफ 91वीं बटालियन आगे भी इसी समर्पण, निष्ठा और श्रद्धा भाव के साथ जनता की सेवा करती रहेगी।इस अवसर पर उप कमांडेंट रीना घोष के साथ सहायक कमांडेंट विनोद कुमार राव, सहायक कमांडेंट वीरेंद्र सिंह सहित आरएएफ के जवान एवं महिला कार्मिक मौजूद रहे, जो अपनी ड्यूटी के प्रति पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद दिखाई दिए।

प्रिया ठाकुर ने बनाया अपने मेकअप रूम को अपना पर्सनल सेफ कॉर्नर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी के शो 'वसुधा' में वसुधा का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री प्रिया ठाकुर ने अपने मेकअप रूम को अपना पर्सनल सेफ कॉर्नर बना लिया है। यह जगह उनकी सादगी भरी और जमीन से जुड़ी पर्सनैलिटी को भी दिखाती है और सेट की भागदौड़ के बीच उन्हें अपना सा सुकून भी देती है। शूटिंग के लंबे घंटों में प्रिया ने अपने मेकअप रूम को बहुत प्यार से सजाया है, ताकि वहां बैठते ही मन अच्छा लगे और माहौल पॉजिटिव रहे। अपनी बनाई हुई स्केच से लेकर सोच समझकर लगाए गए पोस्टर्स तक, कमरे का हर कोना उनके अपने टच से भरा हुआ है। यही वजह है कि शूट के बीच उनके को-एक्टर्स और दोस्त भी वहां आकर थोड़ा वक्त बिताना पसंद करते हैं।

इस बारे में प्रिया ने कहा, 'मैं सेट पर 12 से 15 घंटे रहती हूं और घर सिर्फ सोने जाती हूं, इसलिए मेरी कोशिश रहती है कि मेरा मेकअप रूम सबसे अच्छा लगे और मेरे अपने सेफ कॉर्नर जैसा हो। मेरे कमरे में मैंने खुद बनाए हुए कई कबूतरों के स्केच रखे हैं, क्योंकि कबूतर शांति का प्रतीक होते हैं। मैंने पिछले साल अपने मेकअप रूम का वॉलपेपर बदला था और उसमें पॉजिटिविटी और शांति से जुड़े कई।

स्वाभिमान, शौर्य और स्वतंत्रता के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के महानायक, 'मेवाड़-मुकुट मणि' महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये आज की परमार्थ गंगा आरती उनकी सेवा, साधना व राष्ट्रभक्ति को समर्पित की। वे राष्ट्र की आत्मा, संस्कृति और अस्मिता के रक्षक थे।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवन की हर सुविधा, हर सुख और हर आराम को त्याग कर अपना सर्वस्व भारत माता को समर्पित कर दिया परन्तु मातृभूमि की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया।

हल्दीघाटी का युद्ध महाराणा प्रताप के जीवन की सबसे गौरवपूर्ण गाथाओं में से एक है। यह युद्ध केवल तलवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता और पराधीनता के बीच का निर्णायक संग्राम था। सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद महाराणा प्रताप ने अद्भुत वीरता का परिचय दिया। उनका प्रिय अश्व चेतक आज भी त्याग, निष्ठा और बलिदान का प्रतीक है, जिसने घायल अवस्था में भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया।

ये महापुरुष इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे भारत की चेतना, संस्कृति और आत्मा में आज भी जीवित हैं। उनके त्याग, तप, सेवा और साहस ने भारत को न केवल पहचान दी, बल्कि उसे विश्व के पटल पर गौरवपूर्ण स्थान भी दिलाया। स्वामी जी ने कहा कि आज की नई पीढ़ी के लिए महाराणा प्रताप एक जीवंत प्रेरणा हैं। उनके त्याग, साहस और देशभक्ति से युवाओं को संदेश प्राप्त होता है कि अपने राष्ट्र, संस्कृति और मूल्यों के प्रति निष्ठा ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यदि युवा पीढ़ी उनके आदर्शों को अपनाए, तो भारत का भविष्य और भी उज्ज्वल, सशक्त और स्वाभिमानी बन सकता है। महाराणा प्रताप का जीवन हमें संदेश देता है कि जब उद्देश्य पवित्र हो, तब संघर्ष भी गौरव बन जाता है।

पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री की भागवद कथा शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के सेक्टर -6 ओल्ड जीटी रोड के उत्तरी पटरी पर श्रृंगवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री महराज की श्रीमदभागवद कथा आज से शुरू हुई। गढवा के लक्ष्मी कांत पाण्डेय मुख्य यजमान है। श्रीमदभागवद कथा के पूर्व कथावाचक पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री महराज के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा शिविर से निकलकर गंगा तट पर पहुंची जहां विधि विधान से मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती, भगवान वेणीमाधव, तीर्थराज प्रयागराज का विधि विधान से पूजन हुआ। पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री महराज ने कथा में पहले दिन, श्रीमदभागवद कथा के महात्म्य, गोकर्ण का जीवन, धुंधकारी की मौत के प्रसंग की कथा सुनाते हुए विविध जीवनोपयोगी उदाहरण देते हुए मोक्ष के रास्ते बताए। कथा का समापन 25 जनवरी को होगा।

महिला सुरक्षा के प्रति सरकारी हेल्पलाइन नंबर की जानकारी पुलिस ने महिलाओं को दी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर।जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम निसहर में जन चौपाल लगाकर बालिकाओं व महिलाओं(बहुओं) को एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहू सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई व जागरूक किया गया।

भिवंडी में चुनावी जीत के बाद हिंसा, BJP–KVA समर्थक आमने-सामने

पथराव, उपद्रव के बाद लाठीचार्ज, इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका चुनाव परिणाम घोषित होते ही शहर में सियासी तनाव हिंसा में बदल गया। रविवार देर रात छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के पास भारतीय जनता पार्टी और कोणार्क विकास अघाड़ी के समर्थकों के बीच जबरदस्त झड़प हो गई। हालात इतने बिगड़े कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पथराव और उपद्रव में दोनों पक्षों के कई समर्थकों के घायल होने की खबर है।

घटना की जड़ भिवंडी मनपा चुनाव में मिली हार-जीत को बताया जा रहा है। KVA के नेता और पूर्व महापौर विलास आर. पाटिल ने आरोप लगाया है कि उन पर कथित तौर पर जानलेवा हमला किया गया। पाटिल ने इस हमले के लिए BJP विधायक महेश चौघुले के बेटे मीत चौघुले और उनके समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि यह हमला सुनियोजित था और चुनावी प्रतिद्वंद्विता का नतीजा है।

बताया जा रहा है कि मीत चौघुले को चुनाव में विलास पाटिल के बेटे से हार का सामना करना पड़ा था। आरोप

है कि इसी से बौखलाए मीत चौघुले और उनके समर्थकों ने पाटिल के बंगले पर हमला किया। इसके बाद विलास पाटिल के समर्थक छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर सड़क पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान माहौल और तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद दोनों गुट आमने-सामने आ गए।

BJP विधायक महेश चौघुले ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हिंसा की शुरुआत KVA समर्थकों ने की। उनके मुताबिक पहले उनके कार्यालय पर हमला और पत्थरबाजी हुई, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। पुलिस के अनुसार, स्थिति को काबू में लाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

भिवंडी निजामपुर पुलिस के मुताबिक, देर रात तक दोनों पक्षों की शिकायतें दर्ज की जा रही थीं। डीसीपी शशिकांत बोराटे ने बताया कि पथराव की घटनाएं हुईं, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और इलाके में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

BJP विधायक महेश चौघुले ने आरोप लगाया कि KVA अध्यक्ष विलास पाटिल अपने क्षेत्र में किसी को प्रवेश नहीं करने देना चाहते। उन्होंने कहा, 'चुनाव खत्म हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारे समर्थकों और कार्यालय पर हमला किया गया। पुलिस ने समय पर हस्तक्षेप कर स्थिति संभाली।' उधर, KVA समर्थकों ने मीत चौघुले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। भिवंडी-निजामपुर भिवंडी पालिका चुनाव में इस बार भाजपा को 22, कांग्रेस को 30, शिवसेना(शिंदे) को 12 और एनसीपी(शरद) को 12 सीटें मिली हैं। जबकि समाजवादी को 06,भिवंडी विकास आघाडी (एकता मच) को 03,एक अपक्ष और कोणार्क विकास आघाडी को 04 सीटों पर जीत मिली है। चुनावी नतीजों के बाद उपजा यह टकराव अब बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है।

घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

बांगर नगर काल्हेर में दहशत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी । ठाणे जिले के भिवंडी तालुका अंतर्गत काल्हेर इलाके के बांगर नगर में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक फ्लैट का ताला तोड़कर घर में घुसपैठ की और सोने के आभूषणों समेत नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रॉयल प्लाज़ा अपार्टमेंट की रहने वाली 30 वर्षीय गृहिणी प्रतिक्षा संदेश म्हात्रे ने नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, 18 जनवरी की सुबह करीब 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनके फ्लैट नंबर 201 के मुख्य दरवाजे का कुंडा तोड़ दिया और घर में प्रवेश किया। चोर सीधे बेडरूम में पहुंचे, जहां अलमारी और बेड में रखे सोने के गहनों व नकद रकम को चुरा लिया गया। चोरी गए माल की कुल कीमत करीब 3 लाख 69 हजार रुपये बताई जा रही है। गृहिणी के अनुसार, यह वारदात उनकी गैरमौजूदगी में की गई और उन्हें इसकी जानकारी बाद में मिली, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

नारपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305, 331(3) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है। इस मामले की जांच नारपोली पुलिस कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद अपार्टमेंट परिसर और आसपास के रहवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने इलाके में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि चोरी की इस वारदात को कितने लोगों ने अंजाम दिया और क्या इसमें किसी स्थानीय व्यक्ति की भूमिका है।

भिवंडी में बाइक फिसल कर गिरने से युवक की मौत

भिवंडी। भिवंडी कल्याण रोड पर आधी रात को बाइक फिसलने के कारण सड़क पर गिरे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।पुलिस इस घटन को आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार कोनगांव इलाके में स्थित हरीचंद प्लाजा बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर रहने वाला उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के देवगांव थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव का मूल निवासी रामजनम मुन्नीलाल राम (34) अपनी शाइन मोटरसाइकिल (एमएच 04 केजेड 5837) से भिवंडी से कल्याण की ओर जा रहा था। 26 दिसंबर 2025 की रात करीब 12 बजे जैसे ही वह पिंपलगांव में स्थित (पिंपळघर), सुनीता साड़ी सेंटर के पास पहुंचा,उसी दौरान सड़क पर डिसबैलेंस होकर अचानक उसकी बाइक फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा।जिसके कारण सीने और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी र मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद कोनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर अपराध क्रमांक 10/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के अनुसार आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक प्रियांका चौगुले कर रही हैं।

मध्य रेल ने सीएसएमटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस की 7वीं वर्षगांठ मनाई

मुंबई(संवाददाता) । मध्य रेल ने अपने सम्मानित यात्रियों, रेल प्रेमियों, ट्रेन कर्मचारियों, कोचिंग डिपो कर्मचारियों और अन्य मध्य रेल कर्मचारियों के साथ सीएसएमटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस की 7वीं वर्षगांठ मनाई।

मध्य रेल की 22221/22222 राजधानी एक्सप्रेस दिनांक 19.1.2019 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और हजरत निजामुद्दीन के बीच शुरू की गई थी। इसमें एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित , तीन वातानुकूलित 2-टियर, 8 वातानुकूलित 3-टियर और एक पैंट्री कार थी। ट्रेन को इतना जबरदस्त प्रतिसाद मिला कि लॉन्च होने के एक महीने से भी कम समय में इसमें एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित, पांच वातानुकूलित 2-टियर, 12 वातानुकूलित 3-टियर और एक पैंट्री कार शामिल कर दी गई। शुरुआत में यह ट्रेन सप्ताह में दो बार चलती थी, जिसे दिनांक 13.9.2019 से बढ़ाकर सप्ताह में चार बार कर दिया गया। दूसरी वर्षगांठ यानी दिनांक 19.01.2021 से यह सेवा प्रतिदिन चलने लगी।

मध्य रेल की राजधानी एक्सप्रेस को भारत की पहली पुश-पुल तकनीक पर चलने वाली ट्रेन होने का गौरव प्राप्त है, जिसने 'मिशन रफ्तार' को साकार करते हुए एक और उपलब्धि हासिल की है। पुश-पुल मोड में ट्रेन को एक इंजन आगे और एक इंजन पीछे रखकर चलाया जाता है, जिससे घाट खंड में बार-बार बैंकर इंजन लगाने और हटाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, जिससे बहुमूल्य समय की बचत होती है और यात्रा का समय कम हो जाता है।

वर्तमान में, यह ट्रेन प्रतिदिन शाम 4 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 9:55 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचती है। यह कल्याण, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, भोपाल, वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर और आगरा कैंट में रुकती है। वापसी में, यह ट्रेन प्रतिदिन शाम 4:55 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 11:15 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचती है। इस सेवा से मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ नाशिक, जलगांव और भुसावल क्षेत्रों के यात्रियों को भी बहुत लाभ हुआ है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी तक तेज और अधिक सुविधाजनक कनेक्टिविटी उपलब्ध हुई है।

यह प्रतिष्ठित राजधानी एक्सप्रेस भारतीय रेलवे की प्रगति का प्रतीक है, जो यात्रियों को गति, आराम और विश्वसनीयता प्रदान करते हुए परिचालन उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करती है।

डॉ. कोटणीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल के अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय ने रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं में नए मानक स्थापित किए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के अंतर्गत सोलापुर स्थित डॉ. कोटणीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय, 30 दिसंबर 2024 को उद्घाटन के पश्चात से ही उच्च गुणवत्ता वाली, रोगी-केंद्रित सेवाएं प्रदान करते हुए दंत चिकित्सा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभरा है।

अल्प अवधि में ही इस दंत चिकित्सालय द्वारा 4,000 से अधिक बाह्य रोगियों की जांच की गई है तथा 1,000 से अधिक दंत उपचार प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गई हैं। यह उपलब्धि रोगियों के कल्याण के प्रति चिकित्सालय की सटीकता, व्यावसायिकता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि अब तक किसी भी रोगी को निजी दंत चिकित्सालय में संदर्भित करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिससे रेलवे लाभार्थियों के बीच इस चिकित्सालय के प्रति उच्च स्तर का विश्वास, आत्मविश्वास एवं संतुष्टि परिलक्षित होती है।

समग्र एवं विशिष्ट दंत सेवाएं

इस अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय में आधुनिक एवं विशेष दंत उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे रेलवे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के अंतर्गत ही उन्नत उपचार सुनिश्चित हो रहा है। प्रमुख सेवाओं में उन्नत दंत प्रत्यारोपण एवं पुनर्स्थापन, एक ही बैठक में दंत नलिका उपचार तथा फंसी हुई एवं समस्या उत्पन्न करने वाली अक्ल दाढ़ की विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा शामिल है। इन सेवाओं की उपलब्धता से रोगियों को अत्यधिक लाभ हुआ है तथा अस्पताल द्वारा प्रदान की जाने वाली दंत सेवाओं की गुणवत्ता एवं विस्तार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विभिन्न क्षेत्रों से रोगियों की सहभागिता

इस दंत चिकित्सालय ने सोलापुर मंडल के बाहर भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मध्य रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के समीपवर्ती क्षेत्रों से भी रोगी उपचार हेतु यहां पहुंच रहे हैं। महाराष्ट्र के पुणे, लातूर, धाराशिव, कुर्डुवाड़ी, पंढरपुर, मिरज, सांगली एवं कोल्हापुर सहित कर्नाटक के कलबुर्गी, हुबली, विजयपुर एवं बागलकोट क्षेत्रों से आए रेलवे लाभार्थियों ने यहां उपचार प्राप्त किया है, जो इस चिकित्सालय की बढ़ती प्रतिष्ठा एवं विश्वसनीयता को दर्शाता है।

आपातकालीन सेवाओं एवं जनजागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका

अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय ने आपातकालीन परिस्थितियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेषकर चेहरे एवं दंत आघात से संबंधित मामलों में त्वरित एवं विशेषज्ञ उपचार प्रदान किया गया है। समयबद्ध प्रतिक्रिया एवं कुशल प्रबंधन के माध्यम से रोगियों को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, दंत चिकित्सा दल द्वारा कुर्डुवाड़ी रेलवे अस्पताल में आयोजित दंत चिकित्सा शिविरों में सक्रिय सहभागिता निभाई गई है, जिससे मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा समुदाय को आवश्यक दंत सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

समर्पित एवं दक्ष नेतृत्व

इस अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय की सफलता का श्रेय डॉ. ताहेर अत्तार को जाता है, जो अत्यंत समर्पण एवं निष्ठा के साथ सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उनके द्वारा हजारों रोगियों को उच्च गुणवत्ता की दंत चिकित्सा उपलब्ध कराई गई है। वे निरंतर उत्साह एवं व्यावसायिकता के साथ रेलवे समुदाय की सेवा में संलग्न हैं, जिसके लिए उनके योगदान की रोगियों एवं प्रशासन दोनों स्तरों पर सराहना की जा रही है।

सशक्त प्रशासनिक समर्थन

इस दंत चिकित्सालय को सोलापुर मंडल के मंडलीय रेल प्रबंधक तथा मंडलीय रेलवे अस्पताल सोलापुर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ है। अत्याधुनिक दंत चिकित्सालय अब मंडलीय रेलवे अस्पताल सोलापुर की एक महत्वपूर्ण संपत्ति बन चुका है, जो भारतीय रेलवे द्वारा अपने लाभार्थियों को आधुनिक, विश्वसनीय एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

मध्य रेलवे का सोलापुर मंडल चिकित्सा अवसंरचना को सशक्त बनाने तथा रेलवे समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

अंबरनाथ नगर परिषद वाले चुनाव को हाईकोर्ट ने क्यों बताया लोकतंत्र के लिए खतरा?

मुंबई। अंबरनाथ नगर परिषद चुनावों के बाद बनी राजनीतिक उलझन पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए पाला बदलने वाले नेताओं को लेकर तीखा तंज कसा है। अदालत ने गठबंधनों को मान्यता देने और वापस लेने से जुड़े ठाणे कलेक्टर के आदेशों को फिलहाल प्रभाव में आने से रोक दिया है। साथ ही पूरे विवाद पर सभी पक्षों को सुनकर नया आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि इस तरह बार-बार पक्ष बदलना नगर निकायों में स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है। अदालत ने मामले को कलेक्टर के पास लौटाते हुए स्पष्ट किया कि भाजपा, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना–सभी पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका दिया जाए और फिर नियमों के अनुसार फैसला हो।

क्या है पूरा मामला?

20 दिसंबर को हुए नगर परिषद

चुनावों के बाद स्थानीय स्तर पर भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर अंबरनाथ विकास आघाड़ी (एवीए) बनाई। इसमें राज्य सरकार की सहयोगी अजित पवार गुट वाली एनसीपी भी शामिल रही। इस गठबंधन ने सत्ता हासिल की, जबकि शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी बनकर भी बाहर रह गई।

सीटों का गणित और विवाद

चुनाव में शिवसेना को 27 सीटें मिलीं और वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

भाजपा को 14 सीटें और कांग्रेस को 12 सीटें हासिल हुईं।

एनसीपी को चार सीटें मिलीं, जबकि दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं।

प्रत्यक्ष चुनाव के जरिए परिषद अध्यक्ष पद भाजपा ने जीता।

सात जनवरी को कलेक्टर ने एवीए को प्री-पोल अलायंस के रूप में मान्यता दी।

पाला बदलने से बढ़ी हलचल

एवीए पर विवाद बढ़ा तो कांग्रेस ने अपने 12 निर्वाचित सदस्यों को निलंबित कर दिया, जिसके बाद वे भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद एनसीपी के चार सदस्य शिवसेना के साथ चले गए। 9 जनवरी को कलेक्टर ने इस नए गठजोड़ को प्री-पोल अलायंस मानते हुए एवीए की मान्यता रद्द कर दी। इसी आदेश को चुनौती देते हुए एवीए हाईकोर्ट पहुंची।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति रविंद्र घुगे ने टिप्पणी की कि ये चार सदस्य कल किसी के साथ थे, आज किसी और के साथ हैं। यह ग्लोब-ट्रॉटिंग जैसा है। अदालत ने कहा कि यदि कल फिर कोई और पक्ष चुन लिया जाए तो व्यवस्था कैसे चलेगी। कोर्ट ने सात और नौ जनवरी वाले दोनों आदेशों को फिलहाल स्थगित रखा है।

पत्नी ने 60 हजार रुपये में करा दी पति की हत्या समलैंगिक संबंध में बन रहा था बाधा, हुआ खुलासा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के फतेहपुर जिले से एक चौंकाने वाला हत्या का मामला सामने आया है। दरअसल, 13 जनवरी की रात 45 वर्षीय किसान रामसुमेर सिंह की हत्या कर दी गई थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। जांच के बाद पुलिस ने जो खुलासा किया है, उसे जानकर हर कोई दंग रह गया। यह घटना असोथर थाना क्षेत्र के टीकर गांव की है। हत्या के पीछे उसकी पत्नी ही साजिशकर्ता निकली।

जांच में खुलासा हुआ कि रामसुमेर की पत्नी रेनू देवी ने ही 60 हजार रुपये की सुपारी देकर अपने पति की हत्या कराई थी। पुलिस के अनुसार, रेनू देवी का गांव की ही महिला मालती देवी के साथ पिछले डेढ़ साल से समलैंगिक प्रेम संबंध था। जब रामसुमेर को इस रिश्ते की जानकारी हुई तो उसने मालती को घर आने और पत्नी से मिलने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों महिलाओं में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने मिलकर रामसुमेर की हत्या की योजना बना डाली।

इस साजिश के तहत मालती देवी ने अपने पुराने परिचित जितेंद्र गुप्ता उर्फ जिद्दी से संपर्क किया। हत्या के लिए 60 हजार रुपये तय हुए, जिसमें से 8 हजार रुपये एडवांस दिए गए। 13 जनवरी की रात जितेंद्र अपने दो साथियों राजू सोनकर और रामप्रकाश उर्फ महू के साथ गांव पहुंचा।आरोपियों ने पहले रस्सी से रामसुमेर का गला दबाया और फिर चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए पत्नी रेनू देवी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बाद इंसाफ की मांग तेज, कुकी संगठनों ने उठाया अलग प्रशासन का मुद्दा

इंफाल। साल 2023 में मणिपुर हिंसा के दौरान दुष्कर्म का शिकार हुई कुकी युवती की 32 महीनों बाद अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद कई संगठनों ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग की है। संगठनों का आरोप है कि महिला की जान उस बीमारी और गहरे सदमे की वजह से गई, जो मई 2023 में उसके साथ हुआ था।

गुवाहाटी में तोड़ा दम

चुराचांदपुर और दिल्ली स्थित कुकी संगठनों ने दावा किया कि मई 2023 में इंफाल से महिला का अपहरण किया गया था और उसके साथ दरिंदगी की गई थी। वह किसी तरह अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बच निकली, लेकिन शारीरिक चोटों और मानसिक आघात से उबर नहीं पाई और दस जनवरी को गुवाहाटी में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अलग प्रशासन ही एकमात्र विकल्प

इस घटना के बाद कुकी संगठनों ने केंद्र सरकार से अलग प्रशासन की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि मैतेई समुदाय के साथ अब उनका

रहना संभव नहीं है। 'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) ने कहा कि यह मौत इस बात का सबूत है कि कुकी-जो लोगों को कितनी बेरहमी से निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अब सुरक्षा और सम्मान के लिए अलग प्रशासन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

दोषियों पर कार्रवाई न होने से नाराजगी

'कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन' (केएसओ) ने आरोप लगाया कि बार-बार अपील करने के बाद भी दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। संगठन ने मांग की है कि महिला की मौत को आधिकारिक तौर पर 2023 की हिंसा का परिणाम जाना चाहिए। वहीं, कुकी-जो विमेन फोरम ने कहा कि पीड़िता ने लगभग तीन साल तक ऐसा दर्द सहा जो किसी इंसान को नहीं सहना चाहिए।

क्या है मामला?

बता दें कि मई 2023 से मणिपुर में इंफाल घाटी के मैतेई और पहाड़ियों में रहने वाले कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए थे। इसके चलते हजारों लोगों को बेघर होना पड़ा था। राज्य में पिछले साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 : पीवी सिंधु की अगुआई में भारत को बड़ी उम्मीद

जकार्ता **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इंडिया ओपन में पहले दौर में मिली निराशाजनक हार को पीछे छोड़ते हुए इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 स्तर का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू हो रहा है और सीजन की शुरुआत में ही खिलाड़ियों के लिए अहम पड़ाव माना जा रहा है।

नई दिल्ली में पिछले सप्ताह हुए इंडिया ओपन में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद सिंधु की नजरें इस टूर्नामेंट में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में खेले गए मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचकर उन्होंने अपनी फॉर्म के संकेत जरूर दिए थे। ऐसे में जकार्ता में वह मजबूत वापसी की कोशिश करेंगी।

महिला एकल के पहले दौर में पीवी सिंधु का सामना जापान की मनामी सुइजु से होगा, जो उनसे रैंकिंग में नीचे हैं। इस वर्ग में भारत की अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिलेगी। सिंधु के अलावा मालविका बंसोड़, तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा भी मुख्य ड्रॉ में उतरेंगी। हालांकि उन्नति हुड्डा के लिए राह आसान नहीं होगी, क्योंकि पहले ही दौर में उनका मुकाबला चीन की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई से तय हुआ है।

पुरुष एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें मौजूदा विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन से होंगी। लक्ष्य ने हाल ही में इंडिया ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था और उसी लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

उनके अलावा पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणॉय, थरुण मन्नेपल्ली और आयुष शेट्टी भी टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस वर्ग में थाईलैंड के पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता कुनलावुत वितिदसर्न शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। डबल्स स्पर्धाओं में भारत की मौजूदगी अपेक्षाकृत सीमित है। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ही मुख्य ड्रॉ में नजर आएगी। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रास्टो और रोहन कपूर-रुथविका शिवानी गड्डे की जोड़ियां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं महिला युगल में रश्मि गणेश और सानिया सिकंदर की जोड़ी क्वालिफिकेशन राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

कोहली स्थिति के अनुसार खेलते हैं, युवा क्रिकेटर उनसे सबक लें : विराट की शानदार इनिंग पर बोले गावस्कर

इंदौर **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली के बैटिंग टेम्परमेंट की तारीफ करते हुए कहा है कि स्टार बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक खेलने के बजाय स्थिति के अनुसार अपने खेल को बदलने की क्षमता रखते हैं। इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे के बाद जियोस्टार पर बातचीत में गावस्कर ने कहा कि कोहली की मानसिकता उन्हें कई समकालीन खिलाड़ियों से अलग बनाती है। गावस्कर ने कहा, 'उनके बारे में खास बात यह है कि वह किसी इमेज से बंधे नहीं हैं। बहुत से बल्लेबाज और गेंदबाज इस बात से बंधे होते हैं कि उन्हें कैसे देखा जाता है और उन्हें लगता है कि उन्हें उस इमेज पर खरा उतरना होगा। विराट ऐसे नहीं हैं। वह अपने काम पर ध्यान देते हैं और वह काम रन बनाना है।'

गावस्कर ने कहा, 'वह इस बात की उम्मीदों से बंधे नहीं हैं कि उन्हें कैसे खेलना चाहिए। वह स्थिति के अनुसार खेलते हैं। यही टेम्परमेंट महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि दबाव में भी हार न मानने का कोहली का रवैया उनका एक खास गुण है जो कि उन्हें अन्य से भिन्न बनाता है। कोहली पर यह टिप्पणी सीरीज के निर्णायक मैच में 108 गेंदों पर 124 रन की उनकी शानदार पारी के बाद आई है। न्यूजीलैंड ने यह मैच 41 रन से जीतकर ऐतिहासिक 2-1 से वनडे सीरीज जीत ली जो कि 37 साल के इंतजार के बाद भारतीय धरती पर यह उनकी पहली सीरीज जीत थी।

उन्होंने कहा, 'आखिर तक भी वह कोशिश कर रहे थे। शायद दस्ताने थोड़े पसीने से गीले हो गए, ग्रिप थोड़ी ढीली हो गई, और इसीलिए बल्ले का मुंह घूम गया।' उन्होंने युवा क्रिकेटरों के लिए कोहली के इस रवैये को एक सबक के तौर पर भी बताया, और उनसे कहा कि वे पहले से बनी उम्मीदों के बजाय मैच की स्थितियों पर ध्यान दें।

गावस्कर ने ऑलराउंडर हर्षित राणा की निचले क्रम की बल्लेबाजी की भी तारीफ की और लक्ष्य का पीछा करने के अहम चरण में उनकी भूमिका की स्पष्टता की सराहना की। राणा ने 43 गेंदों पर 52 रन की जवाबी हमलावर पारी खेली और कोहली के साथ 99 रन की साझेदारी की, जिससे कुछ समय के लिए भारत की उम्मीदें फिर से जगीं।

गावस्कर ने कहा, 'उन्होंने बिल्कुल वैसे ही बल्लेबाजी की जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को करनी चाहिए, बिना किसी चिंता और बिना किसी उम्मीद के। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी के साथ राणा का शांत स्वभाव खास तौर पर प्रभावशाली था।'

उसेन बोल्ट का रिटायरमेंट से वापसी का मन

एलए 2028 ओलंपिक्स में क्रिकेट में हिस्सा लेने की इच्छा जताई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जमैका के महान धावक और दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट ने खेल जगत को चौंकाने वाला संकेत दिया है। बोल्ट ने कहा है कि वह 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में वापसी करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार ट्रैक पर नहीं, बल्कि क्रिकेट के मैदान पर। 128 साल बाद ओलंपिक में लौट रहे क्रिकेट के साथ बोल्ट की यह इच्छा खेल प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि एथलेटिक्स से पहले उसेन बोल्ट का पहला खेल प्रेम क्रिकेट था। कैरेबियन संस्कृति में पले-बढ़े बोल्ट बचपन में एक तेज गेंदबाज के रूप में पहचाने जाते थे। स्कूल के दिनों में उनके क्रिकेट कोच ने ही उन्हें ट्रैक एंड फील्ड आजमाने की सलाह दी थी, जिसने आगे चलकर खेल इतिहास को नई दिशा दे दी। हालांकि बोल्ट ने एथलेटिक्स में जो मुकाम हासिल किया, उसके बावजूद क्रिकेट के प्रति उनका लगाव कभी कम नहीं हुआ।

क्रिकेट 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक के ज़रिये 128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक मंच पर लौटेगा। आखिरी बार यह खेल 1900 के पेरिस ओलंपिक में खेला गया था, जहां ग्रेट ब्रिटेन ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। एलए28 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। हर टूर्नामेंट के लिए 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है, जिससे प्रत्येक देश 15 खिलाड़ियों की टीम उतार सकेगा।

एस्क्वायर मैगज़ीन से बातचीत में बोल्ट ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह पेशेवर खेल से संतुष्ट होकर संन्यास ले चुके हैं, लेकिन अगर जमैका क्रिकेट बोर्ड की ओर से उन्हें मौका मिलता है, तो वह पीछे नहीं हटेंगे।उनके इस बयान ने फैंस की कल्पनाओं को नई उड़ान दे दी है, खासकर तब जब क्रिकेट ओलंपिक में नई शुरुआत कर रहा है।

दक्षिण अफ्रीका को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले लगा झटका, बड़े खिलाड़ी के कंधे में लगी चोट

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा का भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलना संदिग्ध है। इस प्रोटियाज क्रिकेटर को एसए20 के दौरान कंधे में चोट लग गई है और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है। फरेरा को यह चोट 17 जनवरी को जोबर्ग सुपर किंग्स बनाम प्रिटोरिया कैपिटल्स एसए20 मैच के दौरान फील्डिंग करते समय लगी, जब उन्होंने कवर बाउंड्री पर चौका रोकने के लिए डाइव लगाई और अपने बाएं कंधे के भार गिरे। हालांकि जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाड़ी बाद में स्टैंड-इन कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी करने आए (घायल फाफ डु प्लेसिस की जगह) फरेरा ने अपनी बांह में परेशानी और सीमित मूवमेंट के कारण चोट के कारण रिटायर होने से पहले सिर्फ एक गेंद का सामना किया।

मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह स्कैन करवाएंगे और यह चोट फ्रैक्चर है। मैच के बाद फरेरा ने कहा, '(कंधे की चोट) मुझे सच में नहीं पता। मैं सुबह स्कैन करवाऊंगा और उसके बाद देखेंगे।' फरेरा की चोट दक्षिण अफ्रीका की टी20 वर्ल्ड कप की योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, जहां उन्हें फिनिशर, रिजर्व विकेटकीपर और पार्ट-टाइम गेंदबाज के रूप में चुना गया था। यह झटका आईसीसी इवेंट से पहले दक्षिण अफ्रीका की बढ़ती चोट की चिंताओं को और बढ़ा देता है, जिसमें टोनी डी ज़ोरज़ी अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के दौरान लौटने की उम्मीद है।

सेंसेक्स 324 अंक लुढ़ककर 83, 246.18 पर बंद, निफ्टी 25, 585 पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत से ही बाजार दबाव में रहा और सेंसेक्स 600 अंकों से ज्यादा टूट गया, जबकि निफ्टी फिसलकर 25, 500 के आसपास पहुंच गया। कारोबार बंद होने पर सेंसेक्स 324.17 अंक यानी 0.39इ की गिरावट के साथ 83, 246.18 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 108.85 अंक या 0.42इ टूटकर 25, 585.50 के स्तर पर बंद हुआ।

वैश्विक व्यापार तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर तिमाही नतीजों ने निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। आईटी, एनर्जी और रियल एस्टेट सेक्टर सबसे ज्यादा दबाव में रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोप के आठ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी से वैश्विक बाजारों में घबराहट बढ़ गई। इसके असर से यूरोपीय और एशियाई बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले चेयरमैन को लेकर बनी अनिश्चितता से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमजोर हुई हैं, जिससे ग्लोबल मार्केट सेंटीमेंट प्रभावित हुआ। एफआईआई ने लगातार नौवें दिन भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाला। जनवरी में अब तक विदेशी निवेशक 22, 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं।

दिसंबर तिमाही के कमजोर और मिले-जुले नतीजों ने बाजार पर दबाव बढ़ाया। आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली, जिसमें विप्रो और बैंकिंग शेयर खासतौर पर कमजोर रहे।

रुपया शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 90.66 प्रति डॉलर पर

मुंबई **(एजेंसी)**। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 90.66 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर रुख से घरेलू मुद्रा को बढ़ावा मिला। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच विदेशों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशक सतर्क रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिका डॉलर के मुकाबले 90.68 पर खुला। फिर 90.66 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.78 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.99 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 482.80 अंक टूटकर 83, 087.55 अंक पर जबकि निफ्टी 129.30 अंक फिसलकर 25, 565.05 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.24 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4, 346.13 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

स्टीव स्मिथ ने तोड़ी चुप्पी, टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर रहने की वजह बताई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भले ही इस समय जबरदस्त फॉर्म में हों, लेकिन उन्हें इस बात का पूरा अहसास है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी वापसी अब बेहद मुश्किल है। स्मिथ ने साफ कहा कि मौजूदा टीम संयोजन को देखते हुए अब उनके लिए दरवाज़ा लगभग बंद हो चुका है।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टी20 फॉर्मेट में अब स्मिथ से आगे बढ़ चुके हैं। स्मिथ ने आखिरी बार फरवरी 2024 में टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था और मौजूदा हालात में उनकी वापसी की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। हालांकि, बीबीएल 2025-26 में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए स्मिथ ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से सभी को चौंकाया है। उन्होंने सिडनी थंडर के खिलाफ 42 गेंदों में शतक जड़ा, जिसमें एक ओवर में 32 रन और चार छक्के शामिल थे।

स्मिथ को पता है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया की ओपनिंग जोड़ी होंगे, जिससे टॉप ऑर्डर में जगह बनाना लगभग नामुमकिन है। ब्रिसबेन हीट के खिलाफ 40 गेंदों में 54 रन की पारी खेलने के बाद स्मिथ ने कहा, 'बेशक मैं बड़े टूर्नामेंट्स में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अब वो मौका निकल चुका है। टीम के पास दो ऐसे ओपनर हैं जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए मैं पूरी तरह रिलैक्स हूं और यहां खेल का मज़ा ले रहा हूं।'

स्टीव स्मिथ पहले ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। ऑफ-सीजन में वह न्यूयॉर्क में रहते हैं और हाल ही में उन्होंने मेजर लीग क्रिकेट में वॉशिंगटन फ्रीडम को पहला खिताब जिताया। स्मिथ ने बताया कि उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में हार के बाद वनडे क्रिकेट छोड़ा, ताकि वह ज्यादा फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट खेल सकें और टी20 फॉर्मेट में लय बनाए रख सकें।

36 वर्षीय स्मिथ ने अपने टी20 खेल में बड़ा बदलाव किया है। अब वह गेंद को पहले से ज्यादा दूर तक मारने लगे हैं। इसका ताज़ा उदाहरण सिडनी थंडर के गेंदबाज़ नाथन मैकएंड्रयू के खिलाफ लगाया गया 107 मीटर लंबा छक्का है। स्मिथ ने कहा, 'मैं खुद को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा हूं ताकि गेंद को और दूर तक मार सकूं। आजकल कई बल्लेबाज़ गेंद को बहुत दूर तक मारते हैं और मुझे भी उनके साथ बने रहना है।' उन्होंने यह भी कहा कि ओपनिंग करते हुए दो फील्डर बाहर होने की स्थिति उनके खेल के अनुकूल है।

मूडीज-आईएमएफ ने बढ़ाया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, आय और बीमा दोनों को फायदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर ग्लोबल एजेंसियों का भरोसा लगातार मजबूत होता दिख रहा है। रेटिंग एजेंसी मूडीज और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) दोनों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.3इ रहने का अनुमान जताया है। एजेंसियों का कहना है कि मजबूत आर्थिक विस्तार से औसत घरेलू आय को सहारा मिलेगा और इसका सीधा फायदा इंश्योरेंस सेक्टर को होगा।

मूडीज ने भारत के इंश्योरेंस सेक्टर पर जारी रिपोर्ट में कहा है कि तेज आर्थिक वृद्धि, बढ़ता डिजिटलीकरण, टैक्स से जुड़े बदलाव और सरकारी बीमा कंपनियों में प्रस्तावित सुधारों के चलते बीमा प्रीमियम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इससे सेक्टर की मौजूदा कमजोर लाभप्रदता में सुधार आने की उम्मीद है।

मूडीज के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 25-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.3इ रह सकती है, जो पिछले वित्त वर्ष की 6.5इ ग्रोथ से ज्यादा है। इससे आम लोगों की आय बढ़ेगी और इंश्योरेंस की मांग मजबूत होगी। वित्तीय वर्ष 24-25 में प्रति व्यक्ति जीडीपी सालाना आधार पर 8.2इ बढ़कर 11, 176 डॉलर रही थी। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 25-26 के पहले आठ महीनों (अप्रैल-नवंबर) में कुल इंश्योरेंस प्रीमियम आय 17इ बढ़कर 10.9 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। इस दौरान हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में 14इ और लाइफ इंश्योरेंस के नए कारोबार के प्रीमियम में 20इ की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कहीं तेज है, जब कुल प्रीमियम में सिर्फ 7इ की बढ़ोतरी हुई थी।

कंगना रनौत और जावेद अख्तर ने रहमान की टिप्पणी से असहमति जताई

संगीतकार ए आर रहमान द्वारा रविवार को 'सांप्रदायिक' संबंधी अपनी टिप्पणी पर सफाई पेश किए जाने के बीच कंगना रनौत ने उन्हें ''पूर्वाग्रही'' करार दिया जबकि गीतकार जावेद अख्तर का कहना है कि वह रहमान से असहमत हैं। दूसरी तरफ, वरुण ग्रोवर ने रहमान को एक दिग्गज संगीतकार बताते हुए कहा कि उन पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए हमला किया गया है।

रहमान ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल में दिए गए एक साक्षात्कार में अपनी टिप्पणी के बाद हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि इरादे ''कभी-कभी गलत समझे जा सकते हैं'', लेकिन वह अपने शब्दों से किसी को ठेस

पहुंचाना नहीं चाहते थे।

'रोजा', 'बॉम्बे' और 'दिल से...' जैसी फिल्मों में अपने संगीत के लिए पहचाने जाने वाले रहमान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने यह स्पष्टीकरण दिया। रहमान की यह टिप्पणी बीबीसी एशियन नेटवर्क के साथ एक साक्षात्कार के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में हिंदी फिल्म उद्योग में उन्हें कम काम मिल रहा है और इसका कारण ''सांप्रदायिक'' भी हो सकता है। इस बीच, भाजपा सांसद रनौत ने रहमान की आलोचना करते हुए उन्हें ''पूर्वाग्रही और घृणास्पद'' व्यक्ति करार दिया तथा दावा किया कि उन्होंने अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए रहमान से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने इसके लिए संगीत तैयार करने से इनकार कर दिया था। रहमान के साथ कई फिल्मों में काम करने वाले लेखक-गीतकार अख्तर ने कहा कि वह ''सांप्रदायिक पूर्वाग्रह'' के दावे से सहमत नहीं हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

– सार्वजनिक सूचना –

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 की धारा 8 (3) (C) के अंतर्गत (24 जनवरी 2021 तक संशोधित) प्रावधानों के अनुसार, के/पूर्व विभाग से 01 प्रस्ताव, एच/पूर्व विभाग से 01 प्रस्ताव एवं एच/पश्चिम विभाग से 01 प्रस्ताव, इस प्रकार जोन-III से कुल 03 प्रस्ताव, महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 (24 जनवरी 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (6) के अंतर्गत वृक्षों को हटाने की अनुमति हेतु माननीय नगर आयुक्त/अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुए हैं। उपरोक्त प्रस्तावों में कटाई/स्थानांतरण हेतु प्रस्तावित वृक्षों की जानकारी बीएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है ———> www.mcgm.gov.in ———> About us ———> ward / Department ———> Department manuals ———> Gardens & Tree Authority ———> Docs ———> Tree Permission 21 Days ———> 458 (K/East), 459 (H/East), 460 (H/West) — Zone–3.

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी,
वृक्ष प्राधिकरण कार्यालय,
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी,
दूसरी मंज़िल, हम्बोल्ट पेंगुइन भवन,
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय,
संत सावता माली मार्ग, भायखला (पूर्व),
मुंबई-400 027।
दूरभाष क्रमांक : 23742162
ई-मेल : dysg.ta@mcgm.gov.in

पीआरओ/2693/विज्ञा./2025-26 — उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

विजय शाह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा- मुकदमा चलाने की मंजूरी देनी है या नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि मंत्री विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी पर दो हफ्ते के भीतर फैसला करे। यह मामला कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ उनके आपत्तिजनक बयानों से जुड़ा है। कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच टीम ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम रिपोर्ट जमा कर दी है। अब राज्य सरकार की मंजूरी का इंतजार है, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 196 (साम्प्रदायिक नफरत फैलाना) के तहत कार्रवाई के लिए जरूरी है। एसआईटी ने शाह के अन्य कथित आपत्तिजनक बयानों का भी हवाला दिया है और कोर्ट ने इसके लिए भी रिपोर्ट मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट में शाह के वरिष्ठ वकील ने कहा कि शाह ने अपनी माफी दर्ज कराई है और जांच में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि, कोर्ट ने माफी को रिकॉर्ड पर स्वीकार नहीं किया और कहा कि यह बहुत देर से दी गई है। इससे पहले, कोर्ट ने उनकी सार्वजनिक माफी को 'घड़ियाली आंसू' बताते हुए इसे कानूनी जिम्मेदारी से बचने का तरीका माना था। गौरतलब है कि यह मामला 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उठकर सामने आया, जब शाह ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ विवादित बयान दिए। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए FIR दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद शाह ने हाईकोर्ट के

आदेश को चुनौती दी और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने उनके बयानों की निंदा करते हुए एफ्ज जांच के आदेश दिए और फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

बिक्रम सिंह मजीठिया की जमानत याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में आज शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की याचिका पर सुनवाई होगी। मजीठिया ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें असमान संपत्ति मामले में जमानत नहीं दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाईकोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा और तय करेगा कि क्या उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इस सुनवाई पर राजनीतिक और कानूनी नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि यह मामला नेताओं की संपत्ति और जवाबदेही के संबंध में अहम माना जाता है।

बैंक खाते फ्रीज करने के नियमों पर आज सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर अपराध की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज और डी-फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़ी एक अहम याचिका को चीफ जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष रखने का निर्देश दिया है। यह याचिका केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से इस विषय पर एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने की मांग करती है।

बीएस येदियुरप्पा POCSO केस और चुनावी रजिस्टर सुधार पर भी सुनवाई

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर POCSO अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएस येदियुरप्पा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है और आज कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई करेगा।वहीं चुनाव आयोग से जुड़ा है। कुछ याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के सारांश संशोधन प्रक्रिया को चुनौती दी है, जिसके तहत निर्वाचन रजिस्टर में सुधार किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट आज इस याचिका पर भी विचार करेगा।

हाईकोर्ट पहुंचा बेलडांगा हिंसा का मामला, केंद्रीय बलों की तैनाती और एनआईए जांच की मांग तेज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा को लेकर सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई। याचिका में मांग की गई है कि इलाके में शांति बहाली के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया जाए। साथ ही, पूरी घटना की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) से कराने की अपील भी की गई है।

मंगलवार को हो सकती है सुनवाई

याचिकाकर्ता के वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने बताया कि चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच मंगलवार को इस मामले की सुनवाई कर सकती है। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया कि 16 और 17 जनवरी को नेशनल हाईवे-12 पर घंटों जाम और हिंसा के बाद भी पुलिस ने हालात क्यों नहीं संभाले?

क्या है पूरा मामला?

मामले में शुक्रवार को झारखंड में एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने एनएच-12 को छह घंटे तक जाम रखा था। इस दौरान हिंसक घटनाओं को कवर कर रही एक महिला पत्रकार पर हमला भी हुआ। पुलिस ने मुख्य आरोपी मतिउर रहमान समेत चार लोगों को पकड़ा है। इसके बाद शनिवार को भी बिहार की एक घटना को लेकर सड़क और रेल रोकी गई थी।

अब तक 30 लोग की हुई गिरफ्तारी

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया और सीसीटीवी फुटेज देखकर अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रूट मार्च करके स्थिति को काबू में किया है। बता दें कि इससे पहले अप्रैल 2025 में भी वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा के बाद कोर्ट ने यहां केंद्रीय बल तैनात करने का आदेश दिया था।

पाकिस्तान में शख्स ने की पूरे परिवार की हत्या, पत्नी और 2 माह की बेटी सहित 7 सदस्यों की ली जान

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को घरेलू विवाद के चलते

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो महीने की बेटी सहित सात लोगों की घर में गोली मारकर हत्या कर दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने गोलीबारी की घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान फारूक उर्फ फारोकय के रूप में हुई है। आरोप है कि घरेलू विवाद के बाद उसने घर में मौजूद रिश्तेदारों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में मौके पर ही सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आरोपी के दो भाई और उनकी पत्नियां, साथ ही उसकी अपनी पत्नी और उसकी दो महीने की बेटी शामिल हैं। इस घटना का कारण घरेलू कलह को बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटा लिए हैं और घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

फिर दिखी पीएम मोदी की कार डिप्लोमेसी, अब यूएई के राष्ट्रपति के लिए तोड़ा प्रोटोकॉल

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयन सोमवार को भारत के अपने आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। जहां पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच स्वागत समारोह के दौरान दोस्ताना बातचीत भी हुई। इस दौरान एक खास पल भी देखने को मिला, जब एक बार फिर पीएम मोदी कार वाली डिप्लोमेसी की झलक देखने को मिली। पीएम मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद साथ ही एक ही कार में एयरपोर्ट से रवाना हुए, जिससे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और दोस्ताना संबंधों की झलक दिखी।

इस दौरे को भारत-यूएई के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह यात्रा भारत और यूएई के मजबूत और भरोसेमंद रिश्तों को और बढ़ावा देने के लिए की जा रही है।

क्यों खास है यूएई के राष्ट्रपति का यह दौरा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति नाहयान भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने पर चर्चा करेंगे। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान होगा, जिन पर दोनों देशों की सोच काफी हद तक समान है। राष्ट्रपति बनने के बाद यह नाहयान की भारत की तीसरी आधिकारिक यात्रा होगी, जबकि पिछले दस वर्षों में यह उनका पांचवां भारत दौरा है। यह यात्रा भारत और यूएई के बीच हाल के उच्चस्तरीय संपर्कों से बनी मजबूत गति को आगे बढ़ाएगी।

पीएम मोदी की कार वाली डिप्लोमेसी

बता दें कि रूस, जर्मनी के बाद यह तीसरी बार है जब पीएम मोदी की कार डिप्लोमेसी देखने को मिली है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर के बीच भी कुछ ऐसी ही खास तस्वीर सामने आई है। पीएम मोदी की इस तस्वीर को कार वाली डिप्लोमेसी माना जा रहा था। भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय संबंधों के अलावा इस तस्वीर से मोदी-मर्ज के व्यक्तिगत रिश्ते की गर्मजोशी की झलक भी मिली। इस दौरान पीएम मोदी ने मर्ज को भारतीय संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं से रूबरू कराया।

पुतिन के साथ भी दिखी थी पीएम मोदी की ये डिप्लोमेसी

इससे पहले 4 दिसंबर 2025 को भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक ही कार में दिखाई दिए। पालम एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री आवास तक की हाई-सिक्योरिटी ड्राइव में दोनों नेता एक साथ सफर कर रहे थे। दिलचस्प बात यह रही कि जिस कार में दोनों बैठे थे वह कोई भारी सुरक्षा वाली, अल्ट्रा-आर्मर्ड एसयूवी नहीं थी, बल्कि एक सामान्य सफेद टोयोटा फॉर्च्यूनर थी।

कई वैश्विक नेताओं के साथ भी पीएम मोदी की कार में तस्वीरें

इससे पहले 16 दिसंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जॉर्डन दौरे के दूसरे दिन क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय ने खुद कार चलाकर पीएम मोदी को अम्मान के जॉर्डन म्यूजियम तक पहुंचाया। इस पहल ने दोनों देशों के बीच गहरे और भरोसेमंद संबंधों को दर्शाया। केवल औपचारिक स्वागत या सुरक्षा का ही मामला नहीं, बल्कि यह इस बात का प्रतीक था कि भारत और जॉर्डन की दोस्ती व्यक्तिगत और गर्मजोशी भरे स्तर पर भी मजबूत है।

नेपाल में चुनाव से पहले भारी उथल-पुथल खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने दिया इस्तीफा

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल के युवा एवं खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव में भाग लेने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, गुप्ता इन दिनों धनुषा जिले के जनकपुर में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं और आरएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा, 'मैं चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के उद्देश्य से सिराहा पहुंच गया हूं। मैंने अपना इस्तीफा ईमेल के माध्यम से प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को भेज दिया है और फोन पर भी इसकी जानकारी दे दी है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि अब वह पूरी तरह चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

बबलू गुप्ता को 26 अक्टूबर को युवा एवं खेल मंत्री नियुक्त किया गया था। वह 'जेन जेड' युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए थे। 'जेन जेड' से आशय 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं से है। गौरतलब है कि सितंबर 2025 में 'जेन जेड' आंदोलन के दौरान काठमांडू और अन्य क्षेत्रों में सोशल मीडिया पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। इन हिंसक प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। व्यापक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली को पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

सीजफायर लाइन बनी मौत की लकीर इजरायल ने गाजा में 77 फिलीस्तीनी किए ढेर

यरुशलम **(एजेंसी)**। गाजा में इजरायली सेना की कार्रवाई ने एक बार फिर मानवीय संकट को गहरा कर दिया है। अस्पष्ट सीजफायर लाइन को पार करने के आरोप में इजरायली सैनिकों ने कम से कम 77 फिलिस्तीनियों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह रेखा कई स्थानों पर स्पष्ट नहीं है, जिससे लोग अनजाने में उसे पार कर बैठते हैं और उनकी जान चली जाती है। बताया गया है कि यह तथाकथित 'पीली रेखा' उस क्षेत्र को दर्शाती है, जहां से अक्टूबर में सीजफायर के तहत इजरायली सेना पीछे हटी थी। इस रेखा के आसपास रह रहे फिलिस्तीनी भय के माहौल में जी रहे हैं, क्योंकि सेना लगभग रोजाना उन लोगों पर गोलीबारी करती है, जो इस रेखा के पास जाते हैं या गलती से उसे पार कर लेते हैं।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर लागू होने के बाद से अब तक 447 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें

से कम से कम 77 लोग पीली रेखा के पास इजरायली फायरिंग का शिकार बने, जबकि 77 लोगों की मौत लाइन पार करने के कारण हुई। एसोसिएटेड प्रेस की जांच में सामने आया है कि मृतकों में किशोर और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने सीमा चिन्हित करने के लिए कुछ स्थानों पर पीले बैरल और कंक्रीट बैरियर लगाए हैं, लेकिन कई इलाकों में यह रेखा अब भी बिना किसी निशान के है। वहीं कुछ जगहों पर सीजफायर समझौते के तहत यह सीमा लगभग आधा किलोमीटर तक अंदर रखी गई है, जिससे फिलिस्तीनियों का आरोप है कि इजरायल नियंत्रित क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है।

गाजा सिटी के निवासी अहमद अबू जहांल ने कहा, 'हम पीले बैरलों से दूर रहते हैं। कोई भी उनके पास जाने की हिम्मत नहीं करता।' उन्होंने बताया कि ये निशान उनके घर से केवल 100 मीटर दूर हैं, जबकि इजरायली सेना के नक्शों में दूरी 500 मीटर बताई गई है। इजरायली सेना ने स्वीकार किया है कि मंगलवार तक पीली रेखा के आसपास 57 लोगों को मार दिया गया, और दावा किया कि उनमें से अधिकांश उग्रवादी थे। सेना का कहना है कि सैनिक पहले चेतावनी देते हैं, फिर चेतावनी गोली चलाते हैं, लेकिन कई मामलों में नागरिक मारे गए। इजरायल ने अपनी सेना को एक 7 किलोमीटर गहरे बफर जोन में पीछे हटा लिया है, जिसमें गाजा की अधिकांश उपजाऊ जमीन, ऊंचे इलाके और सभी सीमा क्रॉसिंग शामिल हैं। इसके चलते 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनी तटीय और मध्य गाजा में सिमटकर रहने को मजबूर हैं।

अमेरिका में ईरानी प्रदर्शनकारियों ने उठाई आवाज ईरान के समर्थन में लॉस एंजिलिस की सड़कों पर उतरे हजारों लोग

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में रविवार को ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, सिटी हॉल के पास आयोजित 'ईरान के लोगों के साथ एकजुटता' रैली में करीब 4, 000 लोगों ने हिस्सा लिया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कोई हिंसा नहीं हुई और न ही किसी को गिरफ्तार किया गया।

रैली में शामिल कई प्रदर्शनकारी ईरान की इस्लामिक क्रांति से पहले का राष्ट्रीय झंडा लहराते नजर आए। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि ईरान में धार्मिक शासन के खिलाफ देशभर में हो रहे प्रदर्शनों पर सख्ती से कार्रवाई की गई है, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई है।

ईरान की राजधानी तेहरान और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर सहित कई इलाकों में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लॉस एंजिलिस ईरान के बाहर रहने वाले ईरानियों का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है, जहां अक्सर इस तरह के समर्थन प्रदर्शन आयोजित होते रहते हैं।

अमेरिकी मीडिया में स्वतंत्रता बनाम सत्ता का नया विवाद, ट्रंप प्रशासन पर '60 मिनट्स' की हटाई गई रिपोर्ट आखिरकार ऑनएयर

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के प्रसिद्ध टेलीविजन कार्यक्रम "60 मिनट्स" में रविवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा किए गए निर्वासन पर वह रिपोर्ट प्रसारित की गयी, जिसे एक महीने पहले अचानक समाचार कार्यक्रम की सूची से हटा दिया गया था। इस फैसले ने राजनीतिक दबाव को लेकर 'सीबीएस न्यूज' के भीतर एक आंतरिक टकराव को जन्म दिया, जो सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। '60 मिनट्स' सीबीएस न्यूज पर ही प्रसारित किया जाता है।

संवाददाता शैरिन अल्फॉन्सी ने अल साल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेजे गए निर्वासितों पर आधारित अपनी रिपोर्ट में सीबीएस न्यूज की प्रधान संपादक बैरी वाइस के साथ हुए विवाद का कोई उल्लेख नहीं किया।

21 दिसंबर के एपिसोड से इस रिपोर्ट के हटाए जाने पर अल्फॉन्सी ने अपने '60 मिनट्स' सहयोगियों से कहा था कि यह "संपादकीय नहीं, बल्कि राजनीतिक फैसला है।" वाइस का तर्क था कि रिपोर्ट में प्रशासन का पक्ष पर्याप्त रूप से नहीं दिखाया गया और अन्य मीडिया संस्थानों की पहले की रिपोर्टिंग को भी ठीक से शामिल नहीं किया गया।

रविवार को प्रसारित रिपोर्ट में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के कैमरे पर दिए साक्षात्कार नहीं थे, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस और गृह सुरक्षा विभाग के बयान शामिल किए गए, जो पहले के संस्करण में नहीं थे। अल्फॉन्सी ने कहा कि नवंबर से '60 मिनट्स' ने प्रशासन के प्रमुख अधिकारियों का साक्षात्कार लेने की कई कोशिशें कीं, लेकिन सभी अनुरोध ठुकरा दिए गए। उनके अनुसार, कैमरे पर आकर बयान देने से इनकार करना रिपोर्ट को दबाने की रणनीति थी।

ईरानी राष्ट्रपति की ट्रंप को खुली चेतावनी खामेनेई पर हमला मतलब जंग! शुरू हो जाएगी ऑल-आउट वॉर'

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई पर किसी भी तरह का हमला ईरानी राष्ट्र के खिलाफ ऑल-आउट वॉर' यानि 'पूर्ण युद्ध' की घोषणा माना जाएगा। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों के बाद आई है, जिनमें उन्होंने ईरान में नए नेतृत्व की जरूरत बताई थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में पेज़ेश्कियान ने कहा, 'हमारे महान नेता पर कोई भी हमला पूरे ईरानी राष्ट्र के खिलाफ युद्ध के बराबर होगा।' ईरानी राष्ट्रपति ने देश की आर्थिक समस्याओं के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वर्षों से लगाए गए अमानवीय प्रतिबंधों और वाशिंगटन की शत्रुतापूर्ण नीतियों ने आम ईरानी नागरिकों की जिंदगी कठिन बना दी है।इससे पहले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने ट्रंप को 'अपराधी' करार देते हुए देश में अशांति और जान-माल के नुकसान के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया था। जवाब में ट्रंप ने कहा था कि ईरान को दशकों पुराने नेतृत्व से बाहर निकलने की जरूरत है। 'पॉलिटिको' को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर दमन, हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और कहा कि मौजूदा शासन डर के बल पर सत्ता में बना हुआ है। ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी के बाद से ही अमेरिका-ईरान संबंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)